छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 02 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 19 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

नौ राष्ट्रीय लोक अदालतों में 2.27 करोड़ से अधिक मामलों का निपटारा

राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का निरंतर शीर्ष 5 राज्यों में स्थान

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रदर्शन एवं मूल्यांकन पर द्वितीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन 18 दिसम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में राष्ट्रीय लोक अदालत प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु उपलब्धियों की समीक्षा एवं प्रदर्शन का मूल्यांकन करना था। राज्य स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा की गई। सम्मेलन की सह अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल न्यायाधीश उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं कार्यपालक अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू न्यायाधीश उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा की गई।

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश ने अपने अभिभाषण में इस बात पर विशेष बल दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालतें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39-क में निहित समान न्याय की परिकल्पना को साकार करने का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि विगत नौ राष्ट्रीय लोक अदालतों के दौरान कुल 2,27,18,454 मामलों का अभूतपूर्व निपटारा किया गया है तथा कुल प्रकरणों के निस्तारण के संदर्भ में छत्तीसगढ़ निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पांच राज्यों में स्थान प्राप्त करता रहा है। उन्होंने इन उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों, समस्त न्यायिक अधिकारियों एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा के करकमलों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालतों की सफलता में उत्कृष्ट योगदान के लिए समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों, परिवार न्यायालयों के न्यायाधीशों तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। साथ ही, राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 16 दिसम्बर 2023 तथा वर्ष 2024 की में आयोजित चार राष्ट्रीय लोक अदालत एवं वर्ष 2025 में आयोजित चार राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों एवं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले परिवार न्यायालयों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। आभार प्रदर्शन सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास, सचिन सिंह राजपूत, राकेश मोहन पांडेय, संजय कुमार जायसवाल, रविंद्र कुमार अग्रवाल, अरविंद कुमार वर्मा, बिभु दत्ता गुरु एवं अमितेंद्र किशोर प्रसाद की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार जनरल एवं रजिस्ट्री के अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक एवं अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं अधिकारी, समस्त जिलों के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं परिवार न्यायालयों के न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिव तथा समस्त जिलों से नामित पैरा लीगल वॉलंटियर्स भी उपस्थित रहे। द्वितीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत प्रणाली को और अधिक सशक्त किया जाएगा तथा त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराने हेतु न्यायपालिका एवं विधिक सेवा संस्थाओं की प्रति निरंतरता बनी रहेगी।

कोयला परिवहन में लगे ट्रांसपोर्टर ने मारपीट का लगाया आरोप

दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने 10 लोगों के विरूद्ध केस दर्ज किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के भैयाथान, झिलमिली थानांतर्गत ट्रांसपोर्टर सहित अन्य के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर 10 लोगों के विरूद्ध केस दर्ज किया है। दूसरे पक्ष ने विवाद का कारण तेज रफ्तार में ट्रक नहीं चलाने की चालकों को समझाइश देने पर ट्रांसपोर्टर सहित अन्य के द्वारा मारपीट करना बताया है। ट्रांसपोर्टर ने भी दूसरे पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मनेन्द्रगढ़ रोड अंबिकापुर स्थित दत्ता कॉलोनी में रहने वाले इमरान खान ऊर्फ बिट्टू पिता अजीमुल हक खान ऊर्फ चिन्नू 34 वर्ष ने झिलमिली थाना पुलिस को बताया है कि वह न्यु दादी रोड लाइन्स के नाम से ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। उनकी 4 ट्रकों से फरवरी 2025 से भास्करपारा कोल माइन्स से कोयला का परिवहन प्रकाश इंडस्ट्रीज चांपा के लिए किया जा रहा है, जिसके देख-रेख एवं किराए का हिसाब करने के लिए रोजाना भास्करपारा आना-जाना होता है। इसी क्रम में 14 दिसम्बर को ट्रकों का हिसाब करने के लिए वह अपने चाचा नशीबु खान, मैनेजर विनाद अग्रवाल एवं ड्रायवर मोहम्मद एजाज के साथ भास्करपारा कोल माइन्स गया था। शाम लगभग 7.15 बजे कुंवर ट्रांसपोर्ट के भास्कर पारा स्थित कार्यालय के सामने बैठा था, तभी अमन प्रताप सिंह पिता स्व. अविनाश सिंह, मनीष प्रताप सिंह पिता स्व. अविनाश सिंह, विशाल प्रताप सिंह पिता लाल सिंह, उज्जवल प्रताप सिंह पिता राकेश प्रताप सिंह, प्रभाकर प्रताप सिंह पिता निलेश सिंह सभी निवासी भैयाथान एवं अखंड प्रताप सिंह पिता दशरथ सिंह निवासी ग्राम केंवरा कार्यालय के सामने आए और अंबिकापुर से आकर उनके इलाके में ट्रक से कोयला का परिवहन करने की बात कहते हुए गालीगलौज करने लगे। इनके द्वारा ट्रक इलाके में चलवाने पर जान से मारकर फेंक देने की धमकी दी गई और सभी मिलकर हाथ-मुक्का, लात से मारपीट करने लगे। मारपीट होते देखकर चाचा नशीबु खान, मैनेजर विनोद अग्रवाल, चालक मोहम्मद एजाज के द्वारा बीच-बचाव किया गया। इसके बाद सभी धमकी देते हुए वहां से चले गए। रिपोर्ट पर पुलिस ने छह आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 191, 296, 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है।

उभय पक्ष ने कहा-चालकों को धीरे गाड़ी चलाने की हिदायत देने से भड़का ट्रांसपोर्टर

दूसरे पक्ष से ग्राम केवरा निवासी अखंड प्रताप सिंह ने थाना झिलमिली में दादी रोड लाइन्स के संचालक सहित अन्य 4 लोगों के विरूद्ध गाली-गलौज, मारपीट व जान से मारने की कोशिश करने की लिखित शिकायत की है, जिस पर पुलिस अपराध दर्ज करके अग्रिम विवेचना कार्रवाई कर रही है। बताया गया है कि 13 दिसम्बर को शाम लगभग 8 बजे राजीव प्रताप सिंह जनपद उपाध्यक्ष भैयाथान, समौली चैक में ग्रामीणों के साथ आग ताप रहे थे। इसी बीच बस्करपारा कोल माइन्स में कोयला परिवहन कार्य में लगी दादी रोड लाइन्स का ट्रक तेज रफ्तार से आ रही थी, जिनके चालकों को गाड़ी मध्यम गति में चलाने की हिदायत दी गई। रात लगभग 9.30 बजे दादी रोड लाइन्स का संचालक इमरान खान पहुंचा और मेरी गाड़ियों के चालकों को समझाने वाले कौन होते हो, अपने आपको बहुत बड़ा नेता समझते हो, कहते हुए वाद-विवाद करने लगा। विवाद होते देखकर ग्रामीण जमा होने लगे, भीड़ बढ़ते देखकर इमरान खान ऊर्फ बिट्टू वहां से भाग गया। 14 दिसम्बर को रिपोर्टकर्ता स्वयं और अमन प्रताप सिंह, विशाल सिंह, अंकित पाटिल चारों भास्करपारा ट्रांसपोर्ट आफिस में बीते दिवस क्या हुआ था, इसकी जानकारी ले रहे थे, इसी बीच इमरान खान बिट्टू, नसीबुद्दीन खान, अरबाज खान, प्रियांस यादव गालीगलौज करने लगे, और हमको नियम-कानून बताओगे कहते हुए इमरान खान जानलेवा हमला कर दिया, इसके बाद सभी मारपीट करने लगे। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य व जनपद उपाध्यक्ष मौके पर आकर सबको शांत कराए और सबको अपने-अपने घर जाने के लिए कहा। सभी अपने घर जाने के लिए निकले ही थे, तभी जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह के फोन पर अनजान नम्बर से कॉल आया, जिसने अपना नाम चिन्नू खान बताया और गाली देते हुए घर में घुसकर एक-एक को मारने की धमकी देने लगा। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) का मामला दर्ज किया है।

दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट मामले में दो नाबालिक सहित 7 गिरफ्तार

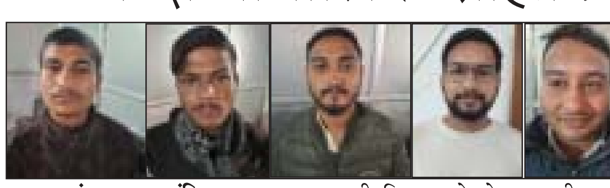

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मणिपुर में दो पक्षों के बीच मामूली विवाद पर हुई मारपीट के मामले में दो नाबालिक सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 15 दिसंबर को रात करीब 9.30 बजे बस स्टैण्ड मणिपुर में उस समय हुई थी, जब राहुल सोनवानी अपने मित्रों के साथ खड़ा था।

जानकारी के अनुसार, प्रार्थी राहुल सोनवानी ने थाना मणिपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि आरोपियों ने आपसी विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट करके फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। मामले में पुलिस टीम ने 17 दिसंबर को सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें राजा साहू, उदय साहू, रोशन सोनी, आकाश यादव, विशाल साहू और दो नाबालिक शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 351(3), 191(2), 191(3), 190, 115(2), 118(1), 331(8), 127(2) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मणिपुर सी.पी. तिवारी के साथ सहायक उप निरीक्षक अनिल पांडेय, शौकीलाल राज, दिलसाय कुजूर, आरक्षक उमाशंकर साहू, सत्येंद्र दुबे, रामशंकर, अनिल सिंह परिहार, साइबर सेल अंबिकापुर से प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, जयदीप सिंह, आरक्षक जितेश साहू, मनीष सिंह, रमेश राजवाड़े, अमन पुरी, राहुल केरकेट्टा सक्रिय रहे।

सर्पदंश के बाद सांप को बांधकर रखे थे घर में, पीड़ित की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के ओड़गी थाना अंतर्गत एक युवक को जहरीले सांप ने डस लिया। ग्रामीणों सांप को बांधकर रखे थे, इसी बीच सांप भाग गया। इसके बाद ग्रामीण सर्पदंश से पीड़ित युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक ग्राम सावारावां निवासी हीरा सिंह पिता देवधारी गोड़ 32 वर्ष, 12 दिसम्बर को खेत में धान का बीड़ा उठाने के लिए गया था। कांवर में धान का बीड़ा लेकर आने के दौरान रास्ते में उसे जाड़ा सांप काट लिया। हीरा सिंह के साथ सुनील, कुंतलाल, विद्यादान, बाल सिंह भी आ रहे थे, जो सांप को पकड़कर घर ले आए। अंधविश्वास ही कहा जाए ग्रामीण सर्पदंश से पीड़ित को तत्काल अस्पताल ले जाने के

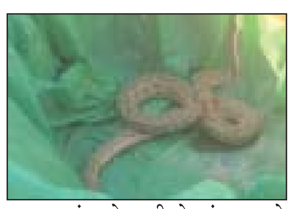

बजाए सांप को रस्सी से बांधकर रखे थे। इसी बीच रस्सी से बंधा सांप गायब हो गया, इसके बाद ग्रामीण सांप को आसपास तलाशे लेकिन वह नजर नहीं आया। पीड़ित हीरा सिंह को स्वजन भैयाथान स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से रेफर करने पर सूरजपुर जिला अस्पताल ले गए। यहां से रेफर करने पर 14 दिसम्बर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, इलाज के दौरान 18 दिसम्बर को युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

बदला लेने की नियत से मारपीट के मामले में फरार आरोपी गोलू खान गिरफ्तार

पूर्व में 19 आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजी है पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के उरांवपारा में लाठी-डंडे से मारपीट के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल दाखिल किया। इसके पहले पुलिस 19 आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेज चुकी है।

बता दें कि घटना दिनांक 01.12.2025 को निहाल खलखो निवासी उरांवपारा सीतापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह जब अपने मोहल्ले के एक व्यक्ति को उसके घर छोड़ने जा रहा था, तभी पिछले दिन के मामूली झगड़ा-विवाद का बदला लेने की नीयत से लाठी, डंडा, लोहा लेकर उरांव मुहल्ला के टोकोपारा में समूह में पहुंचे लोगों के द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। रिपोर्ट पर थाना सीतापुर में धारा 296, 351(2), 115(2), 191(3), 190, 331(7), 152, 61 बीएनएस और एससी, एसटी एक्ट की धारा 3(2) (1-क) का अपराध पंजीबद्ध करके पुलिस ने विवेचना में लिया था। विवेचना दौरान प्रकरण में अपराध की नियति अनुसार धारा 152, 61 बी.एन.एस. अलग से जोड़ा गया था। पुलिस टीम ने प्रकरण के आरोपी सुहैल खान, रसालत खान,

आसिफ खान, महफूज खान, अनिल कुशवाहा, हिलाल खान, जावेद अहमद, फैजुल्ला खान, साबिर खान, अतिक खान, छोटू उर्फ समुन्दुद्दीन, मो. फरहान, मो. मुजाहिद, बिट्टू उर्फ ज्याला दास महंत, चंदन दास, वाजिद खान, महफूज आलम, हसरत उल्ला खान, आसिफ राजा उर्फ नफीस को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा था। प्रकरण के फरार आरोपी गोलू खान उर्फ अब्दुल शमीम पिता अब्दुल शकील 19 वर्ष निवासी रायकेरा घासीपारा थाना सीतापुर को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तो वह अपना जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लोहे का तलवार जप्त करके आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया है। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना सीतापुर से प्रधान आरक्षक शांतलाल प्रजापति, आरक्षक दिलीप तिर्की, महेंद्र नाग, देवदत्त पैकरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों के तहत कार्रवाई शुरू

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आवारा कुत्तों के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी डॉ. संतु बाघ को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों को स्वत: संज्ञान में लेकर एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों के तहत इन्हें मूल स्थान पर वापस छोड़ने, आक्रामक, रैबीज संक्रमित कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के निर्देश दिए हैं। इसके पालन में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, और नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिया है। आवारा कुत्तों के लिए बनाई गई व्यवस्था के तहत सभी जिले को हर महीने अनुपालन रिपोर्ट देनी होगी। कहां-कहां से कितनी संख्या में आवारा कुत्तों को हटाया गया, इसके लिए कितने कर्मचारियों की तैनाती की गई है, बताना होगा। जिले वार भेजे जाने वाले रिपोर्ट की समीक्षा केंद्र सरकार करेगी, जिससे पता चलेगा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का कितना पालन किया गया है।

इसी क्रम में राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला चिकित्सालय अंबिकापुर में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में प्रबंधन की ओर से नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है, और प्रवेश द्वार सहित प्रमुख स्थलों पर नोडल अधिकारी का नाम, मोबाइल नम्बर का बोर्ड लगाया गया है, ताकि इस पर आम लोगों की नजर पड़े और परिसर में आवारा कुत्तों का प्रवेश होने पर दिए गए नंबरों पर इसकी सूचना दी जा सके। सहायक अस्पताल अधीक्षक, प्रदर्शक फारेंसिक मेडिसिन विभाग डॉ. संतु बाघ को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी गई है। अन्य अस्पतालों में भी नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करके इसकी जानकारी शासन को प्रेषित कर दी गई है। डॉ. बाघ ने बताया कि अस्पताल परिसर का भ्रमण करने के दौरान आवारा कुत्तों को हटवाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। सुरक्षा गार्डों को भी आवारा कुत्ते अस्पताल परिसर में प्रवेश न करने पाए, इसकी निगरानी करने के लिए अलर्ट किया गया है।

नगर निगम आयुक्त ने जारी किया पत्र

आवारा कुत्तों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा प्रकरण क्रमांक 05/2025 के आदेश दिनांक 11.08.2025, 22.08.2025 एवं 07.11.2025 में पारित आदेश में प्रदत्त निर्देश का पालन करने और आवश्यक कार्रवाई के लिए आयुक्त नगर पालिक निगम अंबिकापुर ने अस्पतालों सहित सभी चिन्हित संवेदनशील स्थानों में प्रबंधन को 24 घंटे के

अंदर नोडल अधिकारी नियुक्त करने आदेश जारी कर दिया गया है। नोडल अधिकारी को संबंधित परिसर के रखरखाव के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश या रहवास न करें। साथ ही नोडल अधिकारी का नाम, मोबाइल नम्बर प्रवेश द्वार पर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए कहा गया है।

हर माह 350 केस सामने आ रहे

डॉ. संतु बाघ ने बताया आवारा कुत्तों के काटने से संबंधित रोजाना 10 से 12 केस मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में आ रहे हैं, माह का आंकड़ा 350 को छू रहा है। समय पर एंटी रैबीज वायल का लाभ मिलने से किसी की मौत नहीं हुई है। पूर्व में एक-दो मामले मौत के जिसे से सामने आए थे। अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में एंटी रैबीज वायल की उपलब्धता है। पीड़ितों को आवश्यकता के अनुरूप चिकित्सक के सलाह पर एंटी रैबीज का पर्याप्त डोज दिया जाता है। अस्पताल परिसर में किसी पर कुत्ते ने हमला किया हो, फिलहाल ऐसा सामने नहीं आया है। इसके बावजूद सतर्कता बरतते हुए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में मरीजों के संबंधी खाद्य पदार्थों को असुरक्षित तरीके से खुले में न फेंकें, इस पर ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल परिसर में कचरे का जमाव न हो, इस दिशा में भी पहल की जा रही है। मरीजों और उनके स्वजन को जागरूक करने जगह-जगह सूचनात्मक बोर्ड भी लगवाया जाएगा।

आक्रामक व्यवहार वाले कुत्ते रहेंगे शेल्टर हाउस में

सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, सार्वजनिक स्थानों में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से आवारा कुत्तों को हटाने, नसबंदी और टीकाकरण कराने के साथ इन्हें आवश्यकता के अनुरूप हटाने और आक्रामक हो चुके कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के लिए कहा है। इन जगहों को सुरक्षित करने के लिए घेरा लगाने कहा गया है, ताकि आवारा कुत्तों का प्रवेश न होने पाए। यह आदेश रेबीज से होने वाली मौतों और कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं को स्वत: संज्ञान में लेते हुए दिया गया है। पहले सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजने का आदेश दिया गया था, इसे बाद में संशोधित करके केवल रेबीज संक्रमित या आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को शेल्टर होम में रखने के निर्देश दिए गए हैं, इन्हें वापस नहीं छोड़ना है।

सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार ने नगर निगमों के साथ-साथ पंचायत निकायों को भी इसके लिए सीधे जवाबदेही दी है। राष्ट्रीय पशु कल्याण बोर्ड ने कुत्ता-काटने की घटनाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट माना है। देश भर के अस्पतालों में हर साल हजारों ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनमें अधिकतर बच्चे और बुजुर्ग रहते हैं। खुले में कचरा और भोजन के कारण आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती है। निकायों को निर्देश दिया गया है कि जिस इलाके से कुत्तों को हटाया जाए, वहां नियमित सफाई और निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि दोबारा खतरा जैसी स्थिति न बनने पाए। नगर पालिक निगम अंबिकापुर के द्वारा शहर में जगह-जगह फीडिंग जोन बनाए हैं, यहां बकायदा बोर्ड लगाया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक लगाई गई है। आवारा कुत्तों के संबंध में कहीं से शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई करनी होगी। इसके अलावा सड़कों, स्टेट और नेशनल हाईवे से आवारा मवेशियों को हटाकर शेल्टर होम में भेजने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन मामले में प्रभावी कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही है।

जंगल कटने पर गजराज ने गांव की ओर किया रूख

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने से अपने दल से बिछड़ा एक गजराज जंगल छोड़कर गांव की ओर आ गया। बुधवार की शाम करीब 8 से रात 9.45 बजे तक चंद्रमेढ़ा गांव में हाथी घूमते रहा, जिससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी और दहशत की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद हाथी को सुरक्षित रूप से गोंडा से सत्तीपारा नाला की ओर जंगल क्षेत्र में वापस भेजा गया। इस दौरान किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। यह घटना सिर्फ एक हाथी के भटकने तक सीमित नहीं है, बल्कि लगातार हो रही पेड़ों की कटाई, जंगलों का अंधाधुंध विनाश और जमीन से खनिज निकालने की मची होड़ की सच्चाई को सामने ला रही है। इसका खामियाजा आज वन्यजीव और भविष्य में इंसान को भुगतना पड़ सकता है।

पहाड़गांव बनेगा सूरजपुर जिले का नया पर्यटन हॉटस्पॉट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और पहाड़ों की गोद में बसी झील में स्थित पहाड़गांव क्षेत्र अब पर्यटन के नक्शे पर अपनी सशक्त मौजूदगी दर्ज कराने की ओर बढ़ रहा है।

जिले में पर्यटन की असीम संभावनाओं को साकार करने के उद्देश्य से प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सूरजपुर मानवेंद्र सिंह, कलेक्टर एस. जयवर्धन, एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पहाड़गांव का गुरुवार को निरीक्षण किया। यह दौरा केवल निरीक्षण नहीं, बल्कि क्षेत्र को आर्थिक और पर्यटन दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र की हरियाली, पहाड़ों से घिरी प्राकृतिक संरचना और बीचो-बीच स्थित मनोहारी झील का अवलोकन किया। अधिकारियों ने माना कि पहाड़गांव में मौजूद प्राकृतिक संसाधन, शांत वातावरण और सुंदर दृश्यावलियां पर्यटकों को सहज

ही अपनी ओर आकर्षित करने की क्षमता रखती हैं। यदि इन संसाधनों का सुनियोजित विकास किया जाए तो यह क्षेत्र आने वाले समय में जिले का प्रमुख पर्यटन केंद्र बन सकता है। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने हाल ही में शुरू की गई नौका विहार सुविधा का विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने इसे पहाड़गांव पर्यटन की रीढ़ बताते हुए कहा कि झील में बोटिंग की सुविधा बच्चों, युवाओं और परिवारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। कलेक्टर ने स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए इस स्थल को एक सुव्यवस्थित पिकनिक स्पॉट, नेचर पार्क और वीकेंड टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अमले ने स्थल तक पहुंचने वाली सड़कों, पार्किंग व्यवस्था, रोशनी, सुरक्षा, स्वच्छता और पर्यटकों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। अधिकारियों ने माना कि सड़क मार्ग को और बेहतर बनाकर, संकेतक बोर्ड, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय और जलपान गृह जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं, तो पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थल पर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था और ट्रैफिक मैनेजमेंट होने से पर्यटकों को सुरक्षित और सुखद अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास से स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पलायन पर भी रोक लगेगी।निरीक्षण दल में पर्यटन विभाग के अधिकारी, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पहाड़गांव को एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर विचार-विमर्श किया। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील किया है कि वे परिवार के साथ पहाड़गांव आएं और यहां शुरू हुई नौका विहार सुविधा का आनंद लें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की मंशा है कि पहाड़गांव न केवल सूरजपुर जिले बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के लिए एक प्रमुख पर्यटन आकर्षण के रूप में उभरे। निरीक्षण के बाद यह संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले समय में पहाड़गांव में पर्यटन विकास को लेकर ठोस और दूरगामी निर्णय लिए जाएंगे। यदि योजनाएं धरातल पर उतरीं, तो पहाड़गांव जल्द ही प्रकृति प्रेमियों, पर्यटकों और पिकनिक मनाने वालों की पहली पसंद बन सकता है, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति और पहचान मिलेगी।

कैलाशपुर में छात्राओं को बांटे गए नि:शुल्क सायकल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कैलाशपुर में सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं की छात्राओं को सायकल वितरण किया गया।कार्यक्रम में बतौर अतिथि के

रूप में डिकेश प्रजापति मंडल उपाध्यक्ष, भाजयुमो, करीमन राजवाड़े सांसद प्रतिनिधि, दिलेश्वर प्रजापति मंडल संयोजक, भाजपा सोशल मीडिया बिश्रामपुर तथा चंदेल दास बूथ अध्यक्ष, भाजपा राजापुर उपस्थित रहे। अतिथियों का विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्वागत किया गया, जिसके पश्चात सायकल वितरण किया गया। अतिथियों ने छात्राओं को सायकल सौंपते हुए कहा कि सरकार की यह योजना खास तौर पर उन बालिकाओं के लिए वरदान साबित हो रही है, जिन्हें दूर-दराज से पैदल या अन्य साधनों से विद्यालय आना पड़ता था। सायकल मिलने से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि बालिकाएं सुरक्षित, नियमित और आत्मविश्वास के साथ विद्यालय आ सकेंगी। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षित बेटी ही सशक्त समाज की नींव होती है। सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा से जोड़े रखने की दिशा में एक मजबूत कदम है।उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे इस सुविधा का सही उपयोग करें और उच्च शिक्षा प्राप्त कर क्षेत्र व परिवार का नाम रोशन करें।विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर सकारात्मक संदेश के साथ किया गया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

रविंद्र को दी गई भाजयुमो प्रदेश खेल व कला प्रमुख की जिम्मेदारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव व संगठन महामंत्री पवन साय के सहमति से युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टीकरिहा ने प्रदेश टीम की घोषणा कर दी है। नई टीम की घोषणा में सूरजपुर भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती को भाजयुमो प्रदेश खेल व कला प्रमुख बनाया गया है।उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

कसलगिरी में स्कूली बच्चों को दी गई न्योता भोज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कसलगिरी में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना अंतर्गत न्योता भोज का कार्यक्रम किया गया। न्योता भोज का कार्यक्रम विद्यालय के प्रधान पाठक बद्री प्रसाद एक्का के ससुर शोभन लकड़ा ने अपने जन्म दिन के अवसर पर आयोजित किया।इस दौरान संकुल समन्वयक मोइनुद्दीन अंसारी, रविशंकर सोनी, हरक साय एक्का, बहादुर राम राजवाडे, शाला विकास समिति के अध्यक्ष केवल साय राजवाड़े, सरपंच आराधना सिंह, उप सरपंच बिरेंद्र राजवाड़े, मनोज राजवाड़े, विश्वनाथ अगरिया, कुलन राजवाड़े, शिक्षक शमा बेगम, नंदकिशोर कुशवाहा, प्रभावती पैकरा, कवल साय सहित अन्य उपस्थित थे।

शासन की नीतियों से मजबूत हो रही किसानों की आर्थिक स्थिति

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की आय में वृद्धि करने के लक्ष्य की दिशा में शासन द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। सरकार बनते ही किसानों के आर्थिक मजबूती के उद्देश्य से प्रति एकड़ 21 क्विंटल एवं 3100 रुपये की दर से धान खरीदी का निर्णय लिया गया और इस किसान हितैषी का लाभ किसानों को मिल रहा है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के किसान भी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कर लाभ ले रहे हैं। जिससे घर की आवश्यक जरूरतें, कृषि उपकरण और भविष्य को बेहतर बनाने में सक्षम हो रहे हैं। ग्राम सरनाडीह के श्री करण सिंह 2.5 एकड़ भूमि पर धान की खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि धान बेचने धान उपार्जन केन्द्र बलरामपुर पहुंचकर इस वर्ष लगभग 50 क्विंटल धान का विक्रय किया।

श्री करण बताते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। जिससे मुझे उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, जिससे और परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। वे कहते हैं कि बेहतर मूल्य मिलने से अब अपनी अगली फसल में अधिक निवेश कर आधुनिक कृषि तकनीक और गुणवत्तापूर्ण बीजों का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री द्वारा समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि किसानों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने सहज, पारदर्शी और किसान केन्द्रित व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

धान उठाव के संबंध में राइस मिलर्स की बैठक संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री आर. एस. लाल ने जिले के सभी मिलर्स की बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्री लाल ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान कस्टम मिलिंग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। श्री आर.एस. लाल ने कहा कि जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सतत रूप से जारी है। किसान अनवरत रूप से अपना धान खरीदी केन्द्रों में बेच रहे हैं, जिससे धान की आवक भी तेज हुई है। अपर कलेक्टर ने मिलर्स से कहा कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप धान उठाव कार्य में तेजी लाए। जिससे उपार्जन केन्द्रों में किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। उन्होंने शासन के मंशानुरूप धान उठाव का कार्य सफलतापूर्वक सम्पादित हो इसके लिए समन्वय के साथ धान उठाव सुचारू रूप से जारी रखने की बात कही। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ट्रांसपोर्ट, धान के उठाव सहित अन्य व्यवस्थाओं को विशेष रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला खाद्य अधिकारी श्री विनय कुजूर, जिला विपणन अधिकारी सुश्री प्रीतिका पूजा केरकेट्टा एवं जिले के राईस मिलर्स उपस्थित थे।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 21 दिसम्बर को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि 21 दिसम्बर को विश्व पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीकाकरण अभियान का आयोजन किया जाएगा।

इस अभियान के तहत 21 दिसम्बर 2025 को 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो बूथ के माध्यम से तथा 22 एवं 23 दिसम्बर को स्वास्थ्य विभाग के द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की ड्राप पिलाई जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि वह अपने बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं।

अवैध धान परिवहन पर कलेक्टर की सख्त निगरानी

चेक पोस्ट एवं धान खरीदी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अवैध धान परिवहन पर प्रशासन मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा स्वयं रात्रि कालीन, प्रातः कालीन चेक पोस्ट का निरीक्षण कर रहे है।

इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कटारा के द्वारा चुना पाथर चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने चेक पोस्ट पर सीसीटीवी कैमरे, रजिस्टर संधारण, विभिन्न पंजीयो की जांच कर चेक पोस्ट पर गाड़ियों की जांच के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री कटारा ने चेक पोस्ट पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहकर वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चेक पोस्टों पर 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा संदिग्ध वाहनों पर विशेष नजर रखी जाए और अवैध धान का परिवहन करते पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करे।

किसानों से संवाद कर कलेक्टर ने खरीदी व्यवस्था का लिया जायजा

जिले में धान खरीदी व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने विकासखंड रामचंद्रपुर के दोलंगी धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने केंद्र में धान खरीदी व्यवस्था संबंधित जानकारी लेते हुए बारदाना उपलब्धता, उठाव व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर श्री कटारा ने धान विक्रय हेतु केंद्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने कहा कि तौल में पारदर्शिता, समय पर भुगतान एवं व्यवस्थित उठाव सुनिश्चित करना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शासन की मंशानुरूप वास्तविक किसानों से ही धान खरीदी की जाएगी। साथ ही किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

मनरेगा से सिंचाई सुविधा में हुआ विस्तार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत करींचलगली के ग्राम महादेव पारा के किसान श्री सोहर पोर्ते को मनरेगा के तहत कूप निर्माण हो जाने से सिंचाई सुविधा में विस्तार हुआ है। श्री सोहर पोर्ते बताते है कि पहले बारहमासी फसल लेने में असमर्थ थे। उनके पास लगभग 05 एकड़ जमीन है जिसमें सीमित खेती हो पाती थी। सिंचाई के अभाव में कई बार फसले नष्ट हो जाने से आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने ग्राम सभा के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से सिंचाई कूप (कुआं) की जानकारी मिली।

जिससे उनकी समस्याओं का समाधान मिल गया, उन्होंने ग्राम पंचायत में कूप निर्माण की मांग रखी। ग्राम पंचायत से प्रस्ताव

तैयार के पश्चात सिंचाई कूप के लिए कुल 2.71 लाख की स्वीकृति मिली। उन्होंने बताया कि कुआँ निर्माण कार्य से 610 मानव दिवस का सृजन हुआ जो मनरेगा जॉब कार्ड धारी परिवारों को प्राप्त हुआ। रोजगार प्राप्त करने वाले ग्रामीणों में हितग्राही का परिवार भी सम्मिलित है। कूप निर्माण होने से हितग्राही श्री सोहर पोर्ते को खेती करने के लिए सालभर पानी उपलब्ध हो गया है। पहले जहां एक फसलीय खेती किया करते थे अब वे खरीफ और रबी फसल की खेती करने में समर्थ है। वर्तमान में सोहर 3 से 4 एकड़ भूमि में सिंचाई कर रहे हैं, जिससे आय में बढ़ोत्तरी हुई है और धान के साथ उद्यानिकी फसल का भी लाभ ले रहे हैं। जिससे मेरी आय में वृद्धि हुई है, और छोटी-छोटी व्यावसायिक गतिविधियां अब उनके जीवन का प्रमुख हिस्सा बन गई हैं जो सीधे उन्हें आर्थिक लाभ दे रहा है।

सोहर कहते हैं कि अब भविष्य के लिए नई उम्मीदें जगी है और मेरा पूरा परिवार खुशहाल है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ने सोहर जैसे कई किसानों को नई राह मिली है।

रामानुजगंज में विद्युत विभाग द्वारा लगाया गया शिविर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विद्युत विभाग के द्वारा रामानुजगंज वितरण केन्द्र में नये कनेक्शन, बिजली बिल में सुधार, पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन विच्छेदन एवं वसूली हेतु शिविर का आयोजन किया गया।

विद्युत विभाग कार्यपालन अभियंता ने जानकारी दी है कि शिविर में 77 नयें विद्युत कनेक्शन दिया गया, 17 नग त्रुटिपूर्ण विद्युत देयकों में सुधार कर पुनरीक्षित देयक जारी किया गया। बकायादार 748 उपभोक्ताओं से 13.40 लाख रुपये की राशि वसूल की गयी एवं 48 उपभोक्ताओं की लाईन काटी गयी। साथ ही पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत् घर की छत में सौर संयंत्र स्थापना हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष रामानुजगंज श्री रमन अग्रवाल, पार्षदगण, कार्यापालन अभियंता बलरामपुर श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं विभागीय कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अमेजिंग

शिखर चंद जैन

ये हैं दुनिया के सुपर कोल्ड प्लेसेस

बच्चो, जाड़े के मौसम में जब टेंपरेचर 5-10 डिग्री सेल्सियस के आस-पास तक पहुंच जाता है तो हमें जोरों की ठंड लगने लगती है। जरा सोचो, अगर टेंपरेचर माइनस 80-90 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाए, तो क्या होगा? सोचकर ही कंपकंपी छूट गई न! दुनिया की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में हम बता रहे हैं, जहां पड़ती है कड़ाके की ठंड।

याकुत्स्क-साइबेरिया रूस

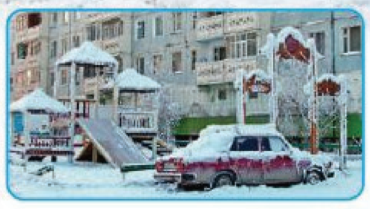

रूस के साइबेरिया में स्थित याकुत्स्क शहर दिसंबर के महीने में पूरी तरह से आइसक्रीम की तरह जम जाता है। इस महीने इस शहर का तापमान -31 से -41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है। यहां महज चार घंटे के लिए सूरज की रोशनी मिलती है। याकुत्स्क को दुनिया का सबसे कम तापमान वाले शहर का खिताब मिला हुआ है। 5 फरवरी 1891 को यहां अब तक का सबसे कम तापमान -64.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। याकुत्स्क में पर्माफ्रॉस्ट का अनुभव होता है। पर्माफ्रॉस्ट का मतलब ठंडे तापमान के कारण जमीन का स्थायी रूप से जम जाना होता है। इस शहर की कुल आबादी 3 लाख 55 हजार है। *

पूर्वी अंटार्कटिक पठार अंटार्कटिका

पूर्वी अंटार्कटिक पठार, जिसे अंटार्कटिक पठार या किंग हाकोन सेवेन पठार भी कहा जाता है, पूर्वी अंटार्कटिका के लगभग दो-तिहाई हिस्से में फैला हुआ है। यह पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थान है। यहां अब तक का न्यूनतम तापमान -94.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसकी जलवायु अत्यधिक ठंडी और शुष्क है। यह एक विशाल महाद्वीपीय पठार है, जो लगभग 3,000 मीटर (9,800 फीट) की औसत ऊंचाई पर स्थित है। यह पठार एक मोटी, स्थाई बर्फ की चादर से ढंका हुआ है, जिसकी मोटाई कुछ जगहों पर साढ़े चार किलोमीटर तक हो सकती है। अत्यधिक ठंड के कारण यहां कोई जीव-जंतु नहीं पाए जाते हैं। यहां के कुछ तटीय क्षेत्रों को छोड़कर, वनस्पतियों के रूप में केवल लाइकेन और मॉस ही पाए जाते हैं। *

वोस्तोक स्टेशन अंटार्कटिका

वोस्तोक अनुसंधान केंद्र की स्थापना सोवियत संघ (पूर्व में रूस और कुछ अन्य देशों का संघ) ने 1957 में की थी। दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, दक्षिणी गोलार्ध के इस क्षेत्र में जुलाई 1983 में अब तक का न्यूनतम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। यहां प्रति वर्ष लगभग 20 मिलीमीटर वर्षा होती है, लेकिन यहां पानी नहीं बर्फ बरसती है। *

क्लिंक स्टेशन ग्रीनलैंड

क्लिंक मौसम केंद्र, आर्कटिक सर्कल का सबसे ठंडा स्थान है। मध्य ग्रीनलैंड में स्थित क्लिंक स्टेशन में साल 1991 के दिसंबर में -69.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो ओम्याकॉन के पिछले रिकॉर्ड से -2 डिग्री सेल्सियस कम है। बच्चो, चिंता की बात यह है कि अत्यधिक ठंड के बावजूद, ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड की अधिकांश बर्फ पिघल रही है। *

ओम्याकॉन-साइबेरिया रूस

आर्कटिक सर्कल के उत्तरी ध्रुव पर स्थित ओम्याकॉन पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थाई रूप से बसा हुआ स्थान है। 1933 में यहां का न्यूनतम तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यहां सर्दियों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान लगभग -50 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। 500 से कम आबादी वाले इस शहर में स्कूल केवल तभी बंद होते हैं, जब तापमान -55 डिग्री सेल्सियस से कम हो। यहां की अत्यधिक ठंड का एक कारण यह है कि यहां की पहाड़ियां ठंडी हवा को अंदर आने देती हैं और गर्म हवा को बाहर रखती हैं। इसके अतिरिक्त, दिन के समय यहां बहुत कम उजाला रहता है, जिससे तापमान और भी गिर जाता है। *

एमंडसन-स्कॉट स्टेशन अंटार्कटिका

दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, एमंडसन-स्कॉट स्टेशन 1956 में बनाया गया था। यहां गर्मियों में छह महीने धूप और सर्दियों में छह महीने पूरी तरह अंधकार

रहता है। पूर्वी अंटार्कटिक पठार के इस हिस्से में जून 1982 में सबसे कम तापमान -82.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस स्टेशन का औसत वार्षिक तापमान लगभग -49.4 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। यह दुनिया के सबसे दक्षिणी अनुसंधान केंद्रों में से एक है, जो अंटार्कटिका के ठंडे वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। यहां खगोल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जैसे विविध विषयों पर शोध किए जाते हैं। *

न ही नीला, न ही गाय फिर क्यों कहते हैं नीलगाय?

बच्चो, नीलगाय का नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे, यह कोई ऐसी गाय होगी, जिसका रंग नीला होता होगा। या नीले रंग की गाय होती होगी। लेकिन ऐसा नहीं है! जानो, नीलगाय के बारे में कुछ बातें।

जीव जंतु

नयनतारा

बच्चो, नीलगाय एक ऐसा जानवर है, जिसका नाम उसके गुणों से मेल नहीं खाता। नीलगाय न तो नीला होता है और न ही यह गाय है। तो फिर इस पशु को नीलगाय क्यों कहते हैं? क्या हैं इसकी शारीरिक विशेषताएं, जानो।

रंग अलग-रूप अलग: नीलगाय के शारीरिक रंग की बात करें तो इसका रंग इसके नाम के अनुरूप नीला नहीं, बल्कि स्लेटी या धूसर होता है। दूसरी बात कि यह गाय जैसा नहीं बल्कि घोड़े की तरह दिखाई देता है। हालांकि यह घोड़े की तरह तेज नहीं दौड़ पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि नीलगाय का पिछला हिस्सा अगले हिस्से से कम ऊंचा होता है।

नीलगाय नाम क्यों पड़ा: बच्चो, तुम सोच रहे होगे कि कलर और शारीरिक संरचना में इतना अंतर होने के बावजूद इसका नाम 'नीलगाय' क्यों पड़ा? दरअसल, इसका स्लेटी या धूसर रंग दूर से देखने पर 'नीला' दिखाई देता है। रंग की बात समझने के बाद अब यह भी जान लो कि इसके नाम में 'गाय' क्यों जोड़ा गया? इसका कारण यह है कि मादा नीलगाय अपने भूरे रंग के कारण गाय की तरह दिखती है। इन्हीं दो कारणों से इसे नीलगाय कहा जाता है। वैसे वैज्ञानिक तौर पर इसे हिरण परिवार का सदस्य माना जाता है।

क्या नीलगाय हिंसक होता है: बच्चो, हर जीव-जंतु की अपनी एक विशेषता होती है। कुछ काफी खतरनाक होते हैं, तो कुछ का स्वभाव बेहद शांत होता है। नीलगाय की बात करें, तो यह आमतौर से शांत स्वभाव का पशु है। लेकिन इसे छेड़ने पर यह घोड़े की तरह दुलत्ती भी मार सकता है। वैसे, नीलगाय दूर से देखने में बहुत ही प्यारा लगता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

बाल गीतों का मनभावन संग्रह

बच्चो, हाल ही में तुम्हारे लिए शिशु और बाल गीतों का एक प्यारा-सा संग्रह आया है, नाम है-कुहू। इसके रचनाकार हैं राजा चौरसिया। इस संग्रह में कुल 40 गीत संकलित हैं। इस संग्रह में गीतों का संकलन कुछ ऐसा है कि इसे पढ़-सुनकर हर उम्र के बच्चे को आनंद आएगा। इसमें अलग-अलग विषयों पर गीत हैं। 'कुहू', 'बंदर और बंदरिया', 'गोलू और गधा', 'तुलसी', 'भूमि की महिमा', 'ज्ञान और विज्ञान', 'ओ पापा!', 'मम्मी ने कहा', 'ओ मेरी नानी!', 'दादा जी', 'हम', 'होली आई रे!', 'उत्सवी उत्साह' जैसे गीत तुम्हें खूब भाएंगे। इनमें से कुछ में तुम्हें प्रकृति और पर्व-त्योहार की झलक मिलेगी। कुछ गीत तुम्हें प्यारी-सी सीख भी देंगे। संग्रह में 'कुहू' जैसे कुछ गीत बहुत ही छोटे हैं तो 'बचपन के दिन : ताक-धिनाधिन' जैसे थोड़े बड़े गीत भी हैं। इन गीतों को पढ़कर, गुनगुनाकर, अपने छोटे भाई-बहनों को सुनाकर तुम्हें बहुत मजा आएगा। इस संकलन में बाल गीतों के साथ उनसे मेल खाते सुंदर और मोहक चित्र भी छपे हैं। *

किताब: कुहू (शिशु एवं बाल गीत), **लेखक:** राजा चौरसिया, **मूल्य:** 125 रुपए, **प्रकाशक:** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

बूझो तो जानें

1. कांच के लेंस में मैं बैठा हूं
दूर को पास दिखाता हूं।
गगन, चंदमा,नक्षत्रों के
गुप्त रहस्य बताता हूं।

2. न जल हूं, न कोई धार
फिर भी बहती हर घर-बार।
चमक दिखाऊं, काम कराऊं
मुझसे चलें मशीन हजार।

3. आंखों को न दिखाई देती
रहूं रात-दिन सबके पास।
पेड़ों की पत्तियां हिलाती
मुझसे ही लेते सब श्वास।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.दूरबीन, 2.बिजली, 3.हवा

जीके क्विज-183

1. वर्ष 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के किस राज्य में आयोजित किया जाएगा?
2. मध्यप्रदेश के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
3. चींटियों के काटने से किस एसिड के कारण जलन होती है?
4. फिडे वर्ल्ड कप का संबंध किस खेल से है?
5. दुनिया में सबसे अधिक ज्वालामुखी (वॉल्केनो) वाला देश कौन-सा है?
6. एफिल टॉवर किस शहर में स्थित है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे?
8. सुभाष चंद बोस को सबसे पहले 'नेताजी' किसने कहा था?
9. मिट्टी का अध्ययन क्या कहलाता है?
10. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक पाई जाती है?

बच्चो, जीके क्विज-183 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

जीके क्विज-182 का उत्तर : 1. गुरु तेग बहादुर, 2. लक्ष्य सेन, 3. आरिफ मोहम्मद खान, 4.तिरुवनंतपुरम, 5. हरिवंश राय बच्चन, 6.प्रोपेन और ब्यूटेन, 7.विटामिन-डी, 8.नेपाल, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.सहारा

जीके क्विज-182 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, ज्योति-बैकुंठपुर, कनिका-रायपुर, अमन-दुर्ग, विकास-रोहतक, कार्तिक-महासमुंद, प्रवीण-बिलासपुर, रजत-भोपाल

कहानी

अंजना मनोज गर्ग

ठिठुरती सर्दी में गोलू रजाई में मुंह ढंके लेटा था। उसका स्कूल जाने का जरा भी मन नहीं था। तभी उसे लगा, उसकी रजाई उससे स्कूल जाने के लिए बोल रही है। गोलू को आश्चर्य हुआ कि रजाई बोल भी सकती है! क्या रजाई सचमुच गोलू से कुछ बोल रही थी, कोई सीख दे रही थी? पढ़ो, मजेदार कहानी।

रजाई की सीख

सुबह के सात बज गए थे। गोलू था कि रजाई में से निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था। मम्मी, रसोई में खाना बनाते हुए उसे जगाने के लिए बार-बार आवाज लगा रही थीं, लेकिन उसका रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं हो रहा था। बाहर बहुत तेज सर्दी थी। उसके लिए स्कूल जाना और भी कठिन था।

'मम्मी अभी आएंगी, मीठी-मीठी बातें करेंगी और झट से रजाई हटाकर मुझे तैयार करके स्कूल भेज देंगी। उफ! इतनी सर्दी है, मैं स्कूल नहीं जाऊंगा।' गोलू रजाई के भीतर मन ही मन बुदबुदाया।

'क्या बुदबुदा रहे हो गोलू?' एक आवाज आई।

'हुं..ह.. कौन!' एकदम से आई आवाज से गोलू चौंका। उसने रजाई से सिर बाहर निकाल कर देखा, बाहर कोई नहीं था।

'अरे! बाहर क्या देख रहे हो गोलू? मैं यहां तुम्हारी रजाई बोल रही हूं।' हंसती हुई रजाई कुछ फैल गई।

गोलू सकपकाया, धीमे से बोला, 'तुम बोलती भी हो!'

'हां, मुझे बोलना पड़ता है, जब गोलू जैसे बच्चे मेरा गलत फायदा उठाते हैं।' रजाई प्यार से बोली।

'अरे, मैंने क्या गलत फायदा उठाया तुम्हारा?' गोलू ने चिढ़ते हुए रजाई से पूछा। 'देखो तो दिन चढ़ आया है। तुम्हारे स्कूल जाने का समय भी हो रहा है। तुम्हारी मम्मी तुम्हें जगाने के लिए कितनी देर से आवाज लगा रही हैं, लेकिन तुम हो कि मुझे छोड़ना ही नहीं चाहते हो।' रजाई बोली।

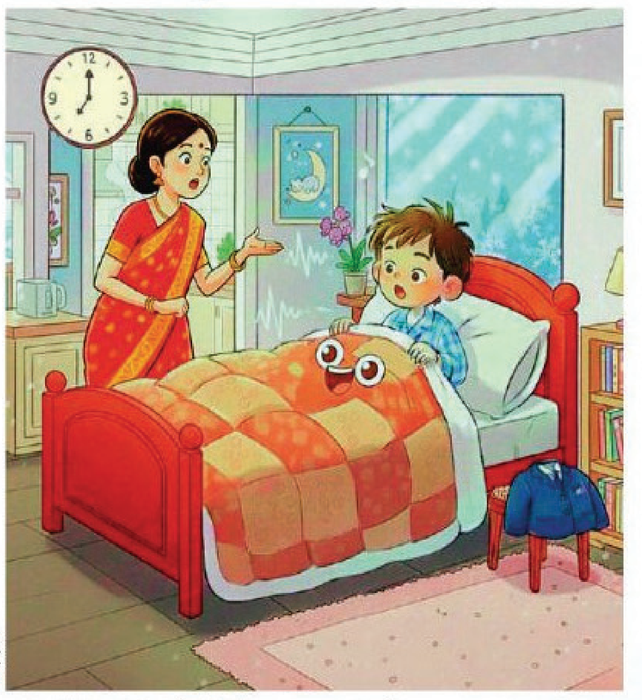

छायाः इलिका

'सर्दी कितनी तेज है, ऐसे में स्कूल कैसे जाऊं? तुम्हीं बताओ रजाई।' गोलू ने अपनी बात रखी।

'ओह तो ये बात है! अच्छा गोलू, एक बात बताओ, अगर मम्मी भी सर्दी में मुझमें दुबकी रहें, पापा भी ऑफिस न जाएं और दूध वाला, सब्जी वाला, अखबार वाला और भी सभी लोग मुझमें यह सोचकर दुबके रहें-भई सर्दी बहुत ज्यादा है, हम कोई काम नहीं करेंगे, फिर?' रजाई ने गोलू से सवाल किया।

'अरे! रजाई, अगर मम्मी खाना नहीं बनाएंगी तो मैं, छोटी, पापा सब भूखे रह जाएंगे न।' नन्हे गोलू का ध्यान किसी में नहीं बस मम्मी पर ही अटका था।

गोलू की इस मासूमियत पर रजाई जोर से हंस पड़ी, उसने पूछा, 'और बाकी सब?'

'वो तो उनके अपने काम हैं, उनको तो करने ही हैं। लेकिन मैं तो अभी छोटा हूं न!' गोलू मुंह बना कर बोला।

'छोटे हो, तभी तो तुम्हें केवल एक ही काम करना है, स्कूल जाकर पढ़ाई। बाकी सारे काम तुम्हारे मम्मी-पापा कर ही रहे हैं।' रजाई ने गोलू से कहा।

'हां! अब मैं समझ गया, रजाई।' सिर झुकाए-झुकाए गोलू बोला।

'क्या समझे?' रजाई ने मुस्कुराते हुए जानना चाहा।

'यही कि मुझे रोजाना समय पर तैयार होकर स्कूल जाना चाहिए, चाहे कितनी ही सर्दी हो।' गोलू उत्साह से बोला।

'हां, वेरी गुड! तो अब पहला काम तुम्हें क्या करना है?' रजाई ने गोलू का मन टटोला।

गोलू तुरंत बोला, 'मुझे अभी आपको छोड़कर स्कूल जाना होगा, लेकिन इतनी सर्दी...!'

'तो मैं हूं ना, जब तुम स्कूल से आओगे तो मैं अपनी गर्म-गर्म गोद में तुम्हें फिर से समेट लूंगी, मेरे प्यारे गोलू।' गोलू की बात पूरी होने से पहले ही रजाई बोल पड़ी।

तभी गोलू ने जैसे ही रजाई से सिर निकाला तो पाया कि मम्मी उसे जगा ही रही हैं।

'ओह, तो यह मैं सपना देख रहा था! लेकिन कुछ भी हो, रजाई ने सीख अच्छी दी।' गोलू मन ही मन बोला।

गोलू स्कूल के लिए तैयार हुआ तो बेड पर तह बनी रजाई उसे दिखाई दी। उसे लगा, स्कूल के लिए तैयार होते देखकर रजाई मुस्कुरा रही है। *

कविता

मीरा सिंह 'मीरा'

लाल परी

सपने में मिलने आई कल
प्यारी एक परी।
सुंदर-सुंदर पंखों वाली
लेकर हाथ छड़ी।।
पूछा मैंने नाम बताओ
बोली लाल परी।
लाल रंग के कपड़े पहनी
आंखें बड़ी-बड़ी।।
कानों में हंसकर वह बोली
बाहर तो निकलो।
परी लोक की सैर कराऊं
तुम भी साथ चलो।।
उड़ती-उड़ती जा पहुंची कल
परी लोक सच में।
पेड़ लगे थे चॉकलेट के
बागों में कितने।।

रंग भरो-191

रंग भरो-191 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

आशना, जांजगीर

अनन्या, महासमुंद

अंकित, धमतरी

अवनी, रायपुर

पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डॉली-दुर्ग, प्रियंका-रायपुर, रितेश-मटियारी, डॉली-मटियारी, समृद्धि-शहडोल, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, सोनम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, अंकुश-करनाल, तुषार-बिलासपुर, हर्षित-कोरबा

रंग भरो 192

बच्चो, यहां अपने क्यूट-से टेडी बियर को गोद में लेकर बैठी एक लड़की का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

सम्पादकीय

भारत-जॉर्डन साझेदारी को मिलेगी नई गति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन यात्रा आर्थिक, रणनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से काफी अहम रही। इससे न केवल साझेदारी और सहयोग को गति मिलेगी, बल्कि आपसी रिश्ते भी और मजबूत होंगे। यह दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति का हिस्सा है और पश्चिम एशिया में भारत के प्रभाव को बढ़ाने के लिए एक अहम कदम भी है। अक्सर देखने में आ रहा है कि जब भी पीएम नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर रवाना होते हैं, तो यह केवल एक औपचारिक दौरा नहीं होता, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम भी होता है। जो देश के विकास और मजबूती को नया आयाम देता है। बता दें कि किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 37 वर्षों में जॉर्डन की यह पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा रही है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुई इस यात्रा से भारत-जॉर्डन साझेदारी को नई गति मिली है और दोनों देशों के बीच विश्वास तथा आपसी समझ भी बढ़ी है। पीएम मोदी की यह यात्रा इसलिए भी महत्व रखती है कि जॉर्डन दुनिया के उन देशों में से एक है, जिसने स्वतंत्र देश के रूप में भारत से शुरुआती दौर में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। दोनों देशों के बीच सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों के लिए पहला द्विपक्षीय समझौता 1947 में हुआ था और 1950 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हो गए थे। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध भी दशकों से मजबूत रहे हैं। दोनों देश शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति का जायजा लेने के लिए नियमित रूप से एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल-हुसैन के साथ व्यापक बातचीत की। वहीं, जॉर्डन ने भी आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख का समर्थन किया और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। बता दें कि जॉर्डन भारत को फॉस्फेटिक उर्वरकों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। भारत की बढ़ती उर्वरक मांग को पूरा करने के लिए दोनों देशों की कंपनियों ने जॉर्डन में और निवेश करने के लिए बातचीत की। पीएम मोदी ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग पर अहम चर्चा हुई। रुपे कार्ड के उपयोग सहित डिजिटल लेनदेन के एक आशय पत्र, स्वच्छ ऊर्जा विकल्प के रूप में नागरिक परमाणु ऊर्जा पर भी बात हुई। इसके अलावा पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जॉर्डन के पेट्रा और भारत के एलोरा पर्यटन स्थलों के बीच संबंध स्थापित करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जॉर्डन के बाद मोदी इथोपिया और ओमान का दौरा भी करेंगे। पीएम के विदेश दौरे दर्शाते हैं कि आज भारत को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। उनकी यह यात्रा भारत की उसी छवि को और सशक्त करती है। वैश्विक मुद्दों पर भारत की भूमिका को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की आवाज और प्रभाव बढ़ेगा।

नशामुक्ति
डॉ. रमेश ठाकुर

नशे के खिलाफ मालदीव मॉडल जरूरी

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का एक सख्त और बेहद कठोर कानून बनाया है। नशा-धूम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है जब तक मालदीव जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीव की भांति ज्यादा से ज्यादा देश अपने यहां ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। युवा पीढ़ी की सेहत को बचाने के लिए सभी मुल्कों को ऐसे कानून बनाने चाहिए। मालदीव का धूम्रपान पर अंतिम प्रहार दुनिया के लिए सबक है।

मालदीव ने अपनी मौजूदा और आगामी पीढ़ी को सेहतमंद रखने के लिए मुल्क को धूम्रपान मुक्त बनाने का बीड़ा उठा लिया है। कोई युवा धूम्रपान न कर सके, इसके लिए 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' नाम का एक सख्त और बेहद कठोर कानून बनाया है। कानून के मुताबिक वर्ष-2007 के बाद मालदीव में जन्में लोग अब भविष्य में कभी भी किसी सूरत में स्मोकिंग नहीं कर पाएंगे। अगर ऐसा किसी ने भूलवश किया, तो उसे भारी जुर्माना चुकाना होगा। कानून को पिछले महीने यानी 15 नवंबर से पूरे देश में लागू कर दिया गया है। मालदीव में अब तंबाकू-खैनी, गुटखा, बीड़ी सिगरेट, चरस-गांजा, अफीम या ई-सिगरेट को खरीदना और बेचना अपराध की श्रेणी में है।

कोई दुकानदार अगर खुदा न खास्ता चोरी छिपे किसी को तंबाकू बेचता पकड़ा गया, तो उसे 50,000 मालदीवियन रूफिया यानी 2.88 लाख रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। वहीं, ई-सिगरेट या वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया यानी 29,000 हजार रुपये बतौर जुर्माना देने होंगे। दूसरी बार जुर्माना लगने पर ड्राइविंग लाइसेंस को हमेशा के लिए निरस्त करने का प्रावधान है। ये नियम मालदीव जाने वाले अन्य देशों के लोगों पर भी लागू है। इस अनोखे कानून का सबसे सुखद पहलू ये है कि उसे सत्ता और विपक्ष की आम सहमति से संसद में पारित किया गया। देश वासियों ने बाकायदा जश्न मनाया। कानून बनने की खुशी में पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने मिलकर पार्टी भी आयोजित की और एक-दूसरे को बधाइयां दीं। दरअसल, धूम्रपान ऐसी आधुनिक बीमारी के रूप में उभर चुकी है जिसने तकरीबन प्रत्येक के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। वाजिब सवाल यहां ये उठता है कि आखिर धूम्रपान के विरुद्ध मालदीव की तरह कठोर कदम भारत में क्यों नहीं उठाया जा सकता?

किस बात की दिक्कत है। जबकि, डब्ल्यूएचओ के मुताबिक भारत में नशे से मरने वालों की संख्या सर्वाधिक है। भारत में कुछ प्रदेशों के युवा नशे में उड़ रहे हैं। घर के घर तबाह हैं। ऐसों को देखकर फिल्ममेकर 'उड़ता पंजाब' जैसी फिल्में भी बनाने लगे हैं। फिर भी कोई सुधार नहीं होता दिखता। नशेड़ियों का हर पल, हर जगह, उपहास उड़ता है। बावजूद इसके अपनी हरकतों से वो बाज नहीं आते? दुनिया में हर बरस 80 लाख मौतें होती हैं फिर भी कोई नहीं डर रहा। नशा-धुम्रपान की बढ़ती समस्या को देखकर अब इतना तो तय है जब तक मालदीव जैसे सख्त कानून नहीं बनाए जाएंगे, स्थिति में सुधार नहीं होगा। मालदीव की भांति ज्यादा से ज्यादा देश अपने यहां ऐसे ही कानूनों को पारित कर अमल में लाने की दरकार है। हिंदुस्तान तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक देश है। सरकार राजस्व का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से जुटाती है। भारत में तंबाकू-धूम्रपान से सालाना 13.5 लाख लोग असमय मरते हैं।

'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एडं प्रिवेशन' के मुताबिक भारत सरकार प्रत्येक बरस अपने मरीजों पर 1.77 करोड़ रुपये खर्च करती है। ये जानते हुए भी कि तंबाकू कैंसर, फेफड़ों की बीमारी और हृदय रोग सहित कई पुरानी बीमारियों का प्रमुख कारण है। फिर भी लोग गुटखा-खैनी इस्तेमाल करते हैं। पंजाब पाकिस्तान के बॉर्डर से सटा है, जहां से चोरी छिपे हर दिन सैकड़ों किलो मादक पदार्थों की खेप पहुंचती हैं। तस्कर इसके

लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। देखा जाए तो मालदीव ने अपनी पीढ़ियों को बचाने के लिए जो इच्छाशक्ति दिखाई है, वह अन्य मुल्कों के लिए एक नायाब उदाहरण जैसा है। उनका यह निर्णय नशे से प्रभावित देशों को धूम्रपान से लड़ने के लिए ना सिर्फ हिम्मत देगा, बल्कि स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा। मालदीव का नशा मुक्ति पर लिया कठोर निर्णय निश्चित रूप से साहसिक कदम कहा जाएगा। ऐसा करके मालदीव विश्व का पहला मुल्क बना है, जहां साल 2007 के बाद जन्मा कोई इंसान कश से दूर रहेगा। मालदीव में धूम्रपान से सालाना मात्र 150 लोग ही जान गवाते हैं, फिर भी सरकार अपने नागरिकों के लिए इतनी फिक्रमंद है। कानून से जुड़ी एक अच्छी बात ये भी है कि यह नियम वहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी लागू रहेंगे। विश्व की सरकारें अगर ईमानदारी से जनहित की नीतियों पर मंथन करें, तो धूम्रपान पर मुक्ति पाना असंभव नहीं? मॉर्डन स्टेटस कहें, या पश्चिमी सभ्यता का विस्तार? देखा-देखी युवा नशे की लत में घुसते जा रहे हैं। मालदीव ही नहीं, विश्व का कोई देश इस समय अछूता नहीं बचा, जहां के टीनएजर्स इस समस्या की गिरफत में न समाए हों? इस मामले में एशिया पहले पायदान पर है जहां बड़े स्तर पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त जारी है। मालदीव सरकार द्वारा पारित 'जेनरेशनल स्मोकिंग बैन' दुनिया का पहला 'तम्बाकू मुक्त' कानून है। हालांकि, हिंदुस्तान में धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध के संबंध में कोई विशेष कानून नहीं है। पर, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम जैसे कई कानून पहले से हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रदेश सरकारें अपने स्तर पर प्रतिबंध लगाती रहती हैं। जैसे, इस समय पंजाब सरकार ने नशा मुक्ति को लेकर अभियान छेड़ा हुआ है। अभियान के तहत महीने भर से मादक पदार्थों की धरपकड़ जारी है। दुर्भाग्य से इस तरह के अभियान या प्रदेश सरकारों की सख्तियां कारगर साबित नहीं हो पाती। कुछ समय बाद ही दम तोड़ देती हैं। हमारे यहां कागजों में ही ऐसी पाबंदियों की भरमार हैं जिनमें शिक्षण संस्थाओं जैसे स्कूल-कॉलेजों के सौ मीटर दूरी तक पान-मसाला बेचने की मनाही होती है। लेकिन अब स्कूलों के भीतर भी मादक पदार्थ पकड़े जाने लगे हैं। बीते दिनों ग्रेटर नोएडा के एक नामी कॉलेज में छात्रों के पास से पुलिस ने नशे की ढेर सारी सामग्रियां बरामद की। वैश्विक स्तर धूम्रपान के विरुद्ध लड़ाई लड़ने की जरूरत अब महसूस होने लगी है। इस लड़ाई में पहला कदम मालदीव ने बढ़ा दिया है।

अब कोई ये भी नहीं कहेगा कि 'बिल्ली के गले में कौन बांधे घंटी'। ऐसी पहल का इंतजार सभी को था लेकिन अब हो गई। कितनी सुखद खबर है कि दुनिया में पहली बार किसी देश ने तय किया कि उसकी आने वाली पीढ़ियां कभी सिगरेट, तंबाकू से अपने फेफड़े नहीं जलाएंगी। मालदीव की आबादी मात्र 5 से 7 लाख है और जीडीपी पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। मालदीव स्वास्थ्य मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से पुष्टि की है कि 1 नवम्बर 2025 से तंबाकू-मुक्त पीढ़ी कानून लागू हो चुका है। यह नियम विदेशी पर्यटकों पर भी लागू होगा। दुकानदारों को खरीदार की उम्र की अनिवार्य जांच करनी होगी। मालदीप ने वर्ष 2024 में 40 करोड़ सिगरेट आयात की थी। कमाई की परवाह न करते हुए भी मालदीव ने अपने यहां पहुंचने वाले सैलानियों पर भी कानून लागू किया है। साफ-सफाई और सुंदरता में उसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। हालांकि, वहां ई-सिगरेट और वेपिंग पर रोक करीब दशक भर पहले से थी। पर, अब पूर्ण प्रतिबंधित कर दिया है। युवा पीढ़ी की सेहत को बचाने के लिए सभी मुल्कों को ऐसे कानून बनाने चाहिए। मालदीव का धूम्रपान पर अंतिम प्रहार दुनिया के लिए सबक है।

बदलाव
महेन्द्र तिवारी

मनरेगा के बाद ग्रामीण रोजगार की नई रूपरेखा

ग्रामीण भारत के विकास की यात्रा में मनरेगा एक ऐतिहासिक पड़ाव रहा है। वर्ष 2005 में जब यह कानून अस्तित्व में आया था, तब देश के ग्रामीण समाज की जरूरतें, चुनौतियां और संरचना आज से बिल्कुल अलग थीं। उस समय व्यापक गरीबी, सीमित आजीविका के साधन और सामाजिक सुरक्षा के अभाव ने सरकार को एक ऐसे अधिकार-आधारित कानून की ओर प्रेरित किया, जो ग्रामीण नागरिक को काम का वैधानिक भरोसा दे सके। दो दशक बाद सरकार अब मनरेगा की जगह विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) या "विकसित भारत जी राम जी" नाम से नए कानून को लाने की तैयारी कर रही है। यह बदलाव केवल योजना का नहीं, बल्कि सोच और नीति के ढांचे का भी संकेत देता है। सरकार का दावा है कि नया कानून मनरेगा की कमजोरियों को दूर करेगा और ग्रामीण भारत को अधिक मजबूत, आत्मनिर्भर और भविष्य के प्रति सक्षम बनाएगा। 100 दिनों की जगह 125 दिनों की रोजगार गारंटी, साप्ताहिक भुगतान, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नियंत्रण और टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे प्रावधान निस्संदेह आकर्षक लगते हैं। जल संरक्षण, जलवायु अनुकूलन, आजीविका आधारित अवसंरचना और बाजार से जुड़ाव जैसे क्षेत्रों पर जोर यह दर्शाता है कि सरकार अब ग्रामीण रोजगार को केवल राहत के उपाय के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की रणनीति के रूप में देख रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना संग्रह में परिसंपत्तियों का पंजीकरण इस सोच को और स्पष्ट करता है कि गांवों में होने वाला हर कार्य राष्ट्रीय विकास की बड़ी तस्वीर से जुड़ा हो। यह भी सच है कि पिछले वर्षों में ग्रामीण भारत में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। गरीबी दर में गिरावट, डिजिटल भुगतान की व्यापकता, आधार से जुड़ी सेवाएं और ग्रामीण आजीविका के नए अवसरों ने मनरेगा के मूल स्वरूप को कुछ हद तक अप्रासंगिक बना दिया है। मनरेगा के अंतर्गत दुरुपयोग, कागजों पर बने काम, मशीनों का अनुचित इस्तेमाल और फर्जी उपस्थिति जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में सरकार का यह कहना कि एक अधिक अनुशासित, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी ढांचे की जरूरत है, पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। फिर भी, इस नए कानून को लेकर सबसे बड़ा सवाल उसके मूल दर्शन से जुड़ा है। मनरेगा की आत्मा यह थी कि काम मांगने पर काम देना राज्य का कानूनी दायित्व है। यह अधिकार गरीब ग्रामीण नागरिक को प्रशासन के सामने खड़ा होने का नैतिक और कानूनी बल देता था। नए कानून में मांग आधारित व्यवस्था की जगह मानक वित्तपोषण को अपनाने की बात कही गई है, जिसमें राज्यों के लिए बजट की एक तय सीमा होगी। भले ही सरकार यह आश्वासन दे कि रोजगार का अधिकार सुरक्षित रहेगा और समय पर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, लेकिन व्यवहार में यह व्यवस्था अधिकार की धार को कुछ कुंद करती दिखाई देती है। जब संसाधन पहले से सीमित होंगे, तो काम मांगने की स्वतंत्रता स्वतः ही सीमित हो सकती है। कृषि मौसम में 60 दिनों तक सार्वजनिक कार्यों को रोकने का प्रावधान भी दोहरे अर्थ रखता है। एक ओर यह किसानों के हित में बताया जा रहा है, ताकि बुआई और कटाई के समय मजदूरों की कमी न हो और कृषि लागत न बढ़े। दूसरी ओर, यह प्रावधान प्रशासनिक विवेक पर अत्यधिक निर्भर हो सकता है। यदि किसी क्षेत्र में खेती के मौसम के बावजूद बेरोजगारी की स्थिति बनी रहती है, तो मजदूर के पास काम मांगने का विकल्प सीमित हो जाएगा। बिना स्पष्ट दिशा-निर्देश और अपील की व्यवस्था के यह प्रावधान नियंत्रण का औजार भी बन सकता है। राज्यों पर वित्तीय बोझ का प्रश्न भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। केंद्र और राज्य के बीच 60:40 का वित्तीय अनुपात अपेक्षाकृत सक्षम राज्यों के लिए भले ही व्यावहारिक हो, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों के लिए यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि राज्य अपने हिस्से का भुगतान समय पर नहीं कर पाते, तो रोजगार और मजदूरी दोनों प्रभावित होंगी। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि अंतिम जिम्मेदारी किसकी होगी और गरीब नागरिक को अपने अधिकार के लिए किस दरवाजे पर जाना होगा। पारदर्शिता और निगरानी के लिए प्रस्तावित तकनीकी उपाय सैद्धांतिक रूप से मजबूत हैं, लेकिन अधिकार की भावना कमजोर पड़ी और क्रियान्वयन में राज्यों व पंचायतों की भूमिका सीमित हुई, तो यह सुधार के नाम पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कवच के क्षरण का कारण भी बन सकता है। विकसित भारत की नींव मजबूत तभी होगी, जब विकास के साथ अधिकार और विश्वास भी समान रूप से मजबूत रहें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मृत्युंजय मंत्र यानी मृत्यु पर विजय का मंत्र

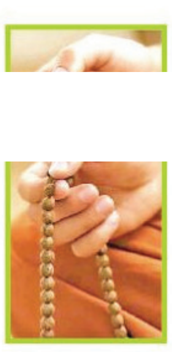

संकलित
दर्शन

शिव का मृत्युंजय मंत्र वैदिक परंपरा में सबसे प्रतिष्ठित मंत्रों में से एक है। मृत्युंजय का अर्थ है मृत्यु पर विजय। आत्मा की कोई मृत्यु नहीं है। यह एक शरीर से दूसरे शरीर में जाती है। मृत्युंजय का अर्थ है क्षणभंगुर पर मन की विजय और शाश्वत की ओर बढ़ना। जब मन को यह एहसास होता है कि मैं शाश्वत हूं। मुझमें कुछ ऐसा है जो बदल नहीं रहा है। फिर कोई भय नहीं रहता। भय मृत्यु के लक्षणों में से एक है। जब आप भय पर विजय प्राप्त करेंगे, तब नाशवान के साथ पहचान की लघु मानसिकता पर विजय प्राप्त कर लेंगे और अविनाशी की ओर बढ़ेंगे। हम इन दोनों का मिश्रण हैं। हमारी आत्मा अविनाशी है और शरीर नाशवान है। अक्सर हमारा मन नाशवान से जुड़ा होता है और उसे लगता है कि वह मर रहा है। मृत्युंजय मंत्र हमारे मन को सीमित पहचान से असीमित पहचान की ओर ले जाता है। इसमें एक प्रार्थना है- शिव मुझे सबल बनाएं। उन्हें मुझे दृढ़ बनाने दो, वह मुझे बंधन से मुक्ति दिलाएं। आमतौर पर लोग पूछते हैं कि जीवन का उद्देश्य क्या है? सृजन का उद्देश्य क्या है? यह ब्रह्मांड किसी स्थान पर जाने की यात्रा नहीं है। सृष्टि का कोई उद्देश्य नहीं है। यह मात्र चेतना का एक खेल और प्रदर्शन है। जैसे नर्तक और नृत्य अलग नहीं हो सकते, वैसे ही सृष्टि और रचयिता दो अलग वस्तुएं नहीं हैं। इस सत्य को नटराज (शिव के रूपों में से एक) के रूप में दर्शाया गया था। नटराज स्वयं चेतना हैं, उनमें पांच तत्वों को दर्शाया गया है। चेतना का नृत्य संपूर्ण ब्रह्मांड है। यह ब्रह्मांड संघर्ष या कष्ट नहीं दे रहा है; यह हर क्षण उत्सव मना रहा है।

स्वयं के धर्म की चिंता

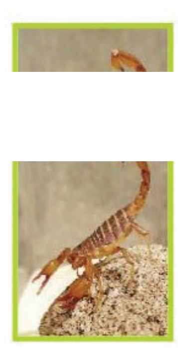

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छु को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया।

आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छु को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हे बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूँ नहीं देते? मर रहा हैं अपनी मौत, तुम क्यूँ अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मरना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा हैं और मैं मेरा।

अंतर्मन

आज की पाती

श्रमिकों का बुढ़ापा भी सुरक्षित हो

देश की आर्थिकी को मजबूती प्रदान करने के लिए कृषि के बाद अगर कोई दूसरी चीज है तो वो है उद्योग जगत और उद्योग जगत को कामयाब बनाने में श्रमिकों का भी कोई कम योगदान नहीं होता है। यह अलग बात है कि आज आजाद देश में कुछ लोग श्रमिकों को अपना गुलाम समझते हैं और आज भी श्रमिकों को उनके उतने अधिकार नहीं मिलते जितने मिलने चाहिए। अब मोदी सरकार ने श्रमिकों को अपनी तरफ से राहत देने के लिए इन्हें और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नई श्रम संहिता नीति को हरी झंडी दी है। लेकिन नई श्रम संहिता में सरकार ने श्रमिकों के बुढ़ापे को सुरक्षित करने और आर्थिक मदद के लिए श्रमिकों को उचित पेंशन का प्रावधान क्यों नहीं किया? उनका बुढ़ापा सुरक्षित होना चाहिए।

- प्रखर जोशी, दुर्ग

करंट अफेयर

ट्रंप ने फेंटानिल को 'सामूहिक विनाश का हथियार' बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेंटानिल को 'सामूहिक विनाश का हथियार' करार देने वाले कार्यकारी आदेश पर सोमवार को दस्तखत कर दिए। ट्रंप ने ओवल ऑफिस (अमेरिका का राष्ट्रपति कार्यालय) में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स के चेयरमैन जनरल डैन केन, व्हाइट हाउस में सीमा से जुड़े मामलों के प्रमुख टॉम होमन और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में इस आदेश पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनका प्रशासन 'फेंटानिल को आधिकारिक तौर पर सामूहिक विनाश के हथियार के रूप में वर्गीकृत कर रहा है, जो वास्तव में वही है। कोई भी बम वह काम नहीं कर सकता, जो यह (फेंटानिल) कर रहा है।' हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि नये कार्यकारी आदेश के अमल में आने के फेंटानिल की लत के शिकार लोगों और इसकी तस्करी में शामिल अपराधियों के लिए क्या मायने होंगे तथा इससे ट्रंप प्रशासन की नीति में क्या बदलाव आएगा। सामूहिक विनाश के हथियार शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर परमाणु, जैविक, रासायनिक या साइबर खतरों के लिए किया जाता है, जो किसी आबादी, बुनियादी ढांचे या पर्यावरण को भारी एवं स्थायी नुकसान पहुंचाने में सक्षम होते हैं। इराक पर अमेरिका के आक्रमण के बाद वाशिंगटन के सियासी गलियारों में इस शब्द पर जमकर बहस हुई है।

ऑफ बीट

आपकी विशिष्ट गंध बता सकती है क्या बीमारी है

हमारे शरीर से हर सेकंड सैकड़ों रसायन हवा में प्रवाहित होते हैं। ये रसायन हवा में आसानी में घुल जाते हैं क्योंकि इनमें वाष्प का दबाव अधिक होता है, जिसका अर्थ है कि वे उबल जाते हैं और कमरे के तापमान पर गैस में बदल जाते हैं। वे इस बात का पता देते हैं कि हम कौन हैं और कितने स्वस्थ हैं। प्राचीन यूनानी काल से, हम जानते हैं कि जब हम अस्वस्थ होते हैं तो हमारी गंध अलग-अलग होती है। जबकि आज हम रक्त विश्लेषण पर भरोसा करते हैं, प्राचीन यूनानी चिकित्सक बीमारियों के निदान के लिए गंध का उपयोग करते थे। आपकी सांस का एक झोंका लेकर वह बता सकते थे कि आपको फेटोर हेपेटिकस (मतलब खराब लीवर) है, तो इसका मतलब होता था कि आप लीवर की बीमारी की ओर बढ़ सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति की सांस की हवा में मीठापन या फलों की गंध होती थी, तो चिकित्सकों का निष्कर्ष होता था कि पाचन तंत्र में शर्करा टूट नहीं रही है, और उस व्यक्ति को संभवतः मधुमेह है। विज्ञान ने तब से दिखाया है कि प्राचीन यूनानी सही थे – जिगर की विफलता और मधुमेह तथा संक्रामक रोगों सहित कई अन्य बीमारियाँ आपकी सांसों को एक विशिष्ट गंध देती हैं। 1971 में, नोबेल पुरस्कार विजेता रसायनज्ञ लिनुस पॉलिंग ने सांस में 250 विभिन्न गैसीय रसायनों की गिनती की।

ट्रेंड

हमारे लिए देश पहले

तमाम विपक्षी दलों को समझना होगा कि एसआईआर विषय केवल चुनाव जीतने और हारने का नही बल्कि देश का विषय है। हमारे लिए देश पहले होना चाहिए इसके बाद बाकी विषय होना चाहिए।
-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

ग्राम-स्वराज का सपना

पीएम मोदी को दो चीजों से पक्की नफरत है महात्मा गांधी के विचारों से और गरीबों के अधिकारों से। मनरेगा, महात्मा गांधी के ग्राम-स्वराज के सपने का जीवंत रूप है। मगर, आज मोदी जी मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सरकार मिशन मोड में

27 वर्षों से जिन समस्याओं से दिल्ली जूझ रही थी, उनके स्थायी समाधान में हमारी सरकार पूरी ईमानदारी से जुटी है। नालों की डी-सिल्टिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इस लक्ष्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए हमारी सरकार मिशन मोड में काम कर रही है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मामला

नेशनल हेराल्ड मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला मोदी सरकार के षड्यंत्रों पर करारा तमाचा है। कोर्ट ने ईडी की शिकायत खारिज कर यह साबित कर दिया है कि सोनिया गांधी व राहुल के खिलाफ यह केस राजनीतिक द्वेष से बनाया गया था।
- अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

खबर संक्षेप

अहमदाबाद में 10 स्कूलों को मिली बम की धमकी

अहमदाबाद। यहां के 10 निजी स्कूलों को बुधवार को बम विस्फोट की धमकी वाले ईमेल मिले। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद यह धमकी झूठी साबित हुई। जोन-1 के पुलिस उपायुक्त हर्षद पटेल ने बताया कि एहतियात के तौर पर स्कूलों ने दोपहर की शिफ्ट के लिए छुट्टी घोषित कर दी। ईमेल सुबह की शिफ्ट समाप्त होने के बाद मिले थे और सभी स्कूलों को एक ही तरह का संदेश भेजा गया था। पटेल ने पत्रकारों को बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच की।

ग्लोबल साउथ तय करेगा दुनिया का एआई एजेंडा

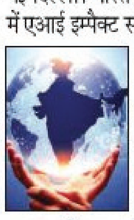

नई दिल्ली। भारत 2026 की शुरुआत में एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करने जा रहा है। 19-20 फरवरी के बीच होने वाला ये समिट 'ग्लोबल साउथ' के देशों के लिए एक बड़ा अवसर होगा। यहां वे न सिर्फ एक साथ मिलकर समाधानों पर चर्चा करेंगे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई के एजेंडे को सक्रिय रूप से आकार भी देंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी। 'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आयोजन 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में किया जाएगा।

धमकी के बाद भारत ने उठाया सख्त कदम

भारत ने बांग्लादेश में अस्थायी तौर पर बंद किया अपना वीजा आवेदन केंद्र

- अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचार और बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच भारत का बड़ा एक्शन

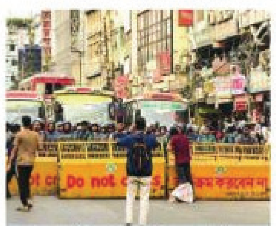

भारतीय दूतावास के पास प्रदर्शन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बांग्लादेश में दिनों-दिन हिंदू अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचार और बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच भारत ने एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बुधवार को ढाका में मौजूद अपने वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है। केंद्र ने एक बयान में बताया कि आईवीएसी ने जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) स्थित अपने कार्यालय को बांग्लादेश के मौजूदा सुरक्षा हालातों के मद्देनजर फिलहाल अस्थायी तौर पर बंद करने का निर्णय लिया है।

उजागर हुई युनूस सरकार की नाकामी

पिछले साल उग्र छात्र आंदोलन की वजह से देश छोड़ने पर मजबूर हुई तत्कालीन पीएम शेख हसीना के भारत में शरण लेने के बाद से पड़ोसी देश के जमीनी हालात ठीक नहीं है। हालांकि वहां पर मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। जो कि चरमपंथियों तत्वों पर नकेल कसने में असफल साबित हुई है। अंतरिम सरकार के निर्देश पर बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण (आईसीजे) ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ छात्र प्रदर्शनों के दौरान की गई कार्यवाही से जुड़े मामले को लेकर मौत की सजा सुनाते हुए भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है।

खारिज की चरमपंथी तत्वों की झूठी कहानी

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अपेक्षा जताते हुए कहा है कि वो ढाका में मौजूद भारतीय मिशन और कार्यालयों की सुरक्षा को अपने कूटनीतिक दायित्वों के हिसाब से सुनिश्चित करे। हमने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को तलब कर सुरक्षा संबंधी अपनी तमाम चिंताओं से रूबरू कराया है। भारत ने चरमपंथी बांग्लादेशी तत्वों द्वारा हालिया समय की चंद घटनाओं को लेकर बनाई गई मनगढ़ंत कहानियों को सिरे से खारिज किया है। साथ ही कहा कि ढाका की अंतरिम सरकार द्वारा न ही इन मामलों की गहनता के साथ जांच-पड़ताल की गई है और न ही इनके संबंध में नई दिल्ली के साथ कोई ठोस प्रमाण साझा किया गया है। जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत की तरफ से बांग्लादेश को ये भी साफ किया गया है कि उसने कभी भी अपनी जमीन का इस्तेमाल बांग्लादेश के हितों के खिलाफ किसी को भी करने की इजाजत नहीं दी है।

पीएम मोदी ने पार्लियामेंट और लोकतांत्रिक यात्रा के लिए गहरा सम्मान जताया

इथियोपिया शेरों की धरती... हम दोस्ती का नया 'अध्याय' लिख रहे, संसद में बोले प्रधानमंत्री मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अदीस अबाबा में इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है। इथियोपिया, जिसे शेरों की धरती कहा जाता है, आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैं यहां खुद को

बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस कर रहा हूं। क्योंकि भारत में मेरा गृह राज्य गुजरात भी शेरों की धरती के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, आज आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैं लोकतंत्र के मंदिर में, पुरानी समझ और मॉडर्न उम्मीदों वाले देश के दिल में आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों का अभिवादन लेकर आए हैं और इथियोपिया की पार्लियामेंट, लोगों और लोकतांत्रिक यात्रा के लिए गहरा सम्मान जताया।

उन्होंने कहा,इस महान इमारत में लोगों की इच्छा ही राज्य की इच्छा बन जाती है। जब राज्य का पहिया लोगों के पहिये के साथ तालमेल बिठाकर चलता है, तो तरक्की का पहिया उम्मीद और मकसद के साथ आगे बढ़ता है। यह भाषण पीएम मोदी की प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के साथ कई मुद्दों पर बातचीत के एक दिन बाद आया, जिसके दौरान भारत और इथियोपिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक बढ़ाया।

चर्चा में फूड और हेल्थ सिक्योरिटी, कैपेसिटी बिल्डिंग, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल टूरिज्म, एनर्जी और जरूरी मिनरल्स में सहयोग पर ध्यान दिया गया। इथोपिया के बाद पीएम मोदी ओमान के लिए रवाना हो गए हैं। ओमान जाने के लिए पीएम मोदी को इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद ने अपनी कार में बिठाकर एयरपोर्ट तक छोड़ा और ओमान के लिए विमान में सवार होने से पहले उन्हें व्यक्तिगत रूप से विदा किया।

पीएम मोदी की प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के साथ चर्चा

इथियोपिया के पीएम ने खुद कार ड्राइव कर एयरपोर्ट पर छोड़ा

इथियोपिया के पीएम खुद कार चलाकर पीएम मोदी को एयरपोर्ट ले गए

ग्रैंड ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया से सम्मानित

पीएम मोदी ने इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली को देश के सबसे बड़े सिविलियन अवॉर्ड ग्रैंड ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, मैं भारत के लोगों की ओर से हाथ जोड़कर और विनम्रता से यह सम्मान स्वीकार करता हूं। इथियोपिया को दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास इसके पहाड़ों, घाटियों और इसके लोगों के दिलों में जिंदा है। उन्होंने एक कल्चरल लिंक पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि भारत का राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम और इथियोपिया का राष्ट्रीय गान, दोनों ही जमीन को मां कहते हैं. हम भी एक पुरानी सभ्यता हैं, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास' के नारे से चलते हुए, भविष्य की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहे हैं. अपनी मातृभूमि के लिए हमारी भावनाएं भी हमारे साझा नजरिए को दिखाती हैं।

पीएम मोदी ने खोला भारत-इथोपिया कृषि सहयोग का रोडमैप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथोपिया दौरे के दौरान भारत-इथोपिया रणनीतिक साझेदारी में खेती और किसानों को भी केंद्र में रखा। इथोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बीज विकास, सिंचाई, मिलेट्स, जलवायु अनुकूल खेती, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण में सहयोग बढ़ाने की घोषणा की और कहा कि कृषि दोनों देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसी के जरिए खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय को मजबूती दी जा सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इथोपिया दोनों विकासशील देश हैं और दोनों की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका केंद्रीय है। खेती सिर्फ आजीविका का साधन नहीं, बल्कि परंपरा और नवाचार को जोड़ने वाली कड़ी है। उन्होंने बीज विकास, सिंचाई प्रणालियों और मिट्टी की सेहत सुधारने वाली तकनीकों पर मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा किबेहतर बीज और आधुनिक खेती तकनीक से दोनों देशों के किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

ईरान के तट पर साइलेंट गार्जियन

चाबहार में भारतीय जहाज की एंट्री ने बदला समंदर का खेल?

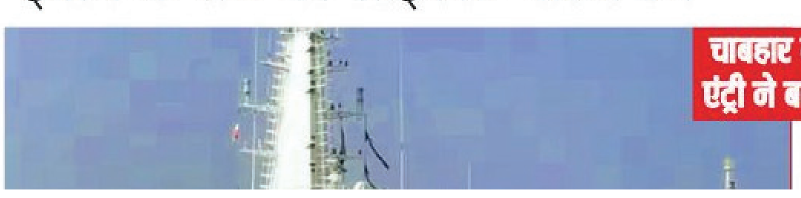

तेहरान। भारतीय तटरक्षक बल का अत्याधुनिक जहाज

'आईसीजीएस सार्थक' ईरान के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर लंगर डाल चुका है। ओमान की खाड़ी में लहरों का शोर वही है, लेकिन हवाओं का रुख बदल चुका है। बुधवार को जब इंडियन कोस्ट गार्ड का जहाज आईसीजीएस सार्थक ईरान के चाबहार बंदरगाह पर पहुंचा, तो कूटनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। इसे हिंद महासागर में भारत की बदलती और आक्रामक रणनीति के तौर पर देखा जाने लगा।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले चव्हाण आधे घंटे में भारत हार गया

मुंबई। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े अपने दावे पर बुधवार को माफी मांगने से इनकार कर दिया है। चव्हाण ने कहा, मैं माफी नहीं मांगूंगा मैंने कुछ भी गलत

नहीं कहा है और मेरे पास माफी मांगने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने एक दिन पहले था कि मई में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष में भारतीय सेना को पहले दिन ही हार का सामना करना पड़ा था। इस पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा सेना का अपमान करना अब कांग्रेस की पहचान बन गया है। यह सिर्फ पृथ्वीराज चव्हाण का बयान नहीं है, बल्कि राहुल गांधी भी पहले इसी तरह के बयान दे चुके हैं। बता दें चव्हाण ने पुणे में कहा था 7 मई को हुई आधे घंटे की हवाई झड़प में भारतीय विमान उड़ाने की हालत में नहीं थे।

राष्ट्रपति ट्रंप का नया फरमान

अमेरिका ने सीरिया और माली समेत 39 देशों में ट्रैवल बैन बढ़ा दिया

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पूर्ण

यात्रा प्रतिबंध के दायरे में आने वाले देशों की सूची का विस्तार करते हुए सीरिया समेत सात और देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगा दी है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप ने प्रतिबंध के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कदम के तहत बर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान, सीरिया और फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा जारी यात्रा दस्तावेजों वाले नागरिकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस कार्रवाई के तहत लाओस और सिएरा लियोन पर भी

पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिन पर पहले केवल आंशिक प्रतिबंध लागू थे। यह विस्तारित प्रतिबंध एक जनवरी से प रभावी होगा।

यह कार्रवाई ट्रंप के उस वादे के बावजूद की गई है जिसमें उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शारा के साथ नवंबर में हुई वार्ता के बाद सीरिया को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही थी।

यूएस ने वेनेजुएला में तेल टैंकरों को घेरा

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बड़ा कदम उठाते हुए वेनेजुएला में आने और वहां से जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकरों पर पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया है। यह कदम वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया गया है। ट्रंप के इस नए कदम से दक्षिण अमेरिकी देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ने वाला है।

शिक्षा के शिल्पी, बलिया के मालवीय, मुरली बाबू की 131वीं जयंती समारोहपूर्वक सम्पन्न

बलिया। जनपद के शिक्षा जगत के पुरोधा एवं समाजसेवी मालवीय मुरली बाबू की 131वीं जयंती बुधवार को श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज परिसर में उनकी प्रतिमा स्थल पर गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर मुरली बाबू द्वारा स्थापित श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं टाउन पॉलिटेक्निक के प्रबंध समिति पदाधिकारी, प्राचार्य/प्रधानाचार्य, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ/-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तनूजा सिंह आ० सतेन्द्र कुमार सिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी क्वार्टर क्रमांक एच-2, एरीगेशन कॉलोनी, रिंग रोड़ अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदकगण भारत सिंह, भीम सिंह, अर्जुन सिंह आ०स्व० बृजमोहन सिंह, शिवकांती सिंह पत्नि स्व. बृजमोहन सिंह, निवासी ग्राम सकालो, तह० अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 04, मोहल्ला डी०सी० रोड़ महावीरपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1893/19, 1893/32 रकबा क्रमशः 0.01%, 0.01 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 04/11/2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सीतापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/ब-121/2024-25

//ईश्तेहार//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विश्वनाथ मिंज आ. देवर जाति उराव निवासी ग्राम-देवगढ़ तहसील सीतापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदक के पुत्र याकुब का दिनांक 08/09/1996 को जन्म ग्राम देवगढ़ में हुआ है। जन्म-मृत्यु पंजी में नाम दर्ज नहीं करा पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। आवेदक को जन्म प्रमाण पत्र की आवष्यकता शिक्षा हेतु पड रहा है। जिसके लिये जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन के साथ अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, अंकसूची एवं चालान की प्रति प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है। अतः इस संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा किसी अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03/12/2025 तक न्यायालयीन समय में पेश कर सकते हैं। समय सीमा बाद प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
सीतापुर जिला-सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202512020700028

विषयः-व-121
मामले की श्रेणी- राजस्व
सनः-2025-2026
पोडीखुर्द प.ह.न. 00032 (हे०)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार बुधकुंवेर,
अनावेदक पक्षकार छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदक बुधकुंवेर पति स्व0 दलगंजन राम निवासी ग्राम पोडीखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम पोडीखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 26, 305/1 रकबा 0.291, 0.073 हे० भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वप अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/12/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

बंद करें 9 टोल प्लाजा, मौजूदा उपायों को ही प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की ओर से क्यों नहीं कहा जाता है कि जनवरी तक कोई टोल प्लाजा नहीं रहेगो। सीजेआई सूर्यकांत ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के 9 टोल प्लाजा कुछ समय के लिए बंद किए जाने पर विचार किया जाए। उन्होंने इस पर फैसला लेने के लिए एक हफ्ते की समयसीमा भी तय की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के गहराते संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एनएचएआई और एमसीडी को दिल्ली की सीमाओं पर बने नौ टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या स्थानांतरित करने पर विचार करने को कहा। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि केवल प्रोटोकॉल तैयार करने के बजाय मौजूदा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है, क्योंकि प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जाता है।

सीजेआई ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आइए इस खतरे के व्यावहारिक और कारगर समाधानों के बारे में सोचें। सुनवाई के दौरान दिल्ली के कई टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम के चलते होने वाले प्रदूषण पर सीजेआई सूर्यकांत ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के 9 टोल प्लाजा कुछ समय के लिए बंद किए जाने पर विचार किया जाए। उन्होंने इस पर फैसला लेने के लिए एक हफ्ते की समयसीमा भी तय की। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को यह अनुमति दे दी कि वह ऐसे पुराने वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर सकती है, जो भारत स्टेज-IV (बीएस-IV) उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करते। यानी डीजल वाहन अगर 10 साल से पुराने हैं या पेट्रोल वाहन 15 साल से पुराने हैं, लेकिन वे बीएस-IV मानकों का पालन करते हैं, तो उन्हें फिलहाल राहत मिलेगी।

बुधवार सुबह धुंध में समाया इंडिया गेट

स्कूल की छुट्टियां जारी रहेंगी

सुनवाई के दौरान वकील मेनका गुरुस्वामी ने दलील देते हुए कहा कि हर बार जब स्कूल बंद किए जाते हैं तो गरीब बच्चों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि वे मिड-डे मील जैसी सुविधाओं से वंचित हो जाते हैं। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें इस मामले को विशेषज्ञों पर छोड़ देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्कूलों की छुट्टियां जारी रहेंगी। हम दुआ करते हैं कि छुट्टियां खत्म होने से पहले प्रदूषण कम हो जाए। सुनवाई के दौरान एक वकील ने दलील देने की कोशिश की। जिस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमारी समस्या है कि ऐसे मामलों में हमें विशेषज्ञों की सलाह कम मिलती है और उनकी जगह वकील ही विशेषज्ञ बन जाते हैं।

निर्माण मजदूरों के पैसे अन्य लोगों के खातों में न जाएं

सुनवाई के दौरान मजदूरों के संगठन की ओर से पेश वकील ने भत्ते के भुगतान न होने का मुद्दा उठाया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को प्रतिबंधों के कारण बेकार बैठे निर्माण श्रमिकों की जांच करने और उनके खातों में पैसे भेजने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से प्रतिबंधों के कारण बेकार बैठे निर्माण श्रमिकों को वैकल्पिक काम उपलब्ध कराने पर विचार करने को कहा। दिल्ली सरकार ने दलील दी कि 2.5 लाख निर्माण श्रमिकों में से 7,000 का सत्यापन हो चुका है और उनके खातों में धनराशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्रमिकों के खातों में स्थानांतरित किया गया पैसा गायब नहीं होना चाहिए, न किसी अन्य खाते में चला जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति से लौटी उम्मीदें

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील और दूरदर्शी नक्सल पुनर्वास नीति जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के स्पष्ट निदेर्शों एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के नक्सल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई।

आत्मसमर्पण करने वाल 25 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट

इस क्रम में 75 आत्मसमर्पित नक्सलियों को अत्याधुनिक स्मार्टफोन तथा 25 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट वितरित की गई। यह कार्यक्रम कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

75 आत्मसमर्पित नक्सलियों को अत्याधुनिक स्मार्टफोन

कार्यक्रम के दौरान 75 पुनर्वासित युवाओं को सैमसंग गैलेक्सी ट06 5G स्मार्टफोन प्रदान किए गए, जिनमें 50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा तथा 5000 अँ फास्ट-चार्जिंग बैटरी जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन स्मार्टफोनों के माध्यम से युवा अब डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों, सरकारी योजनाओं तथा देश-दुनिया की जानकारी से सहजता से जुड़ सकेंगे। इसके साथ ही 25 पुनर्वासित युवाओं को मेसन किट प्रदान कर निर्माण क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह पहल प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित अन्य विकास कार्यों के लिए कुशल श्रमशक्ति तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आत्मसमर्पण करने वाले लोगों स्वरोजगार के नए अवसरों उपलब्ध कराने संकल्पित

जिला प्रशासन ने बताया कि नक्सल पुनर्वास को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रखते हुए इसे आत्मनिर्भरता, सम्मान और सामाजिक समावेशन से जोड़ा जा रहा है। स्मार्टफोन के माध्यम से पुनर्वासित युवा अब ऑनलाइन प्रशिक्षण, आधुनिक कृषि तकनीकों, छोटे व्यवसायों और स्वरोजगार के नए अवसरों को समझने और अपनाने में सक्षम होंगे।आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी लोगों स्वरोजगार के नए अवसरों उपलब्ध कराने सरकार संकल्पित है

पुनर्वासित युवाओं ने साझा किए अनुभव

पोलमपल्ली निवासी पुनर्वासित पोड़ियम भीमा ने बताया कि वे लगभग 30 वर्षों तक डीवीसी सदस्य के रूप में संगठन से जुड़े रहे। पुनर्वास के बाद उन्हें बेहतर आवास, भोजन और प्रशिक्षण की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि वे राजमिस्त्री के साथ-साथ इलेक्ट्रीशियन और मैकेनिक का प्रशिक्षण भी प्राप्त कर चुके हैं। पुवर्ती निवासी मुचाकी रनवती ने बताया कि वे 24 वर्षों तक एसीएम सदस्य के रूप में नक्सल संगठन से जुड़ी रहीं। पुनर्वास के बाद उन्होंने सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त किया और वर्तमान में राजमिस्त्री प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने परिजनों से मिलने का अवसर मिला तथा बस्तर ओलंपिक की संभागस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त किया। डब्बमरका, सुकमा निवासी गंगा वेट्टी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मोबाइल और मेसन किट मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जंगल के जीवन की तुलना में वर्तमान जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक है। शिविर लगाकर उनका आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड एवं जॉब कार्ड बनाया गया तथा शासन की सभी योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है। सुकमा में की गई यह पहल इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ शासन की नीति केवल नक्सलवाद से मुकाबले तक सीमित नहीं है, बल्कि भटके हुए युवाओं को विश्वास, अवसर और सम्मान के साथ नया जीवन देने की ठोस कोशिश भी है। यह मॉडल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति, विकास और सामाजिक समरसता की मजबूत नींव रख रहा है। इस अवसर पर जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा परिसर में यात्रा वृत्तान्त मेरी नजर से अरुणाचल प्रदेश का विमोचन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा परिसर में पत्रकार दीर्घा सलाहकार समिति की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टीवी चैनल बीएसटीवी के राज्य संपादक डॉ.अवधेश मिश्रा द्वारा लिखित यात्रा वृत्तान्त मेरी नजर से अरुणाचल प्रदेशह्व का विमोचन किया।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जीवन में यात्राओं का विशेष महत्व है।यात्रा न केवल तनाव से मुक्ति देती है, बल्कि ताजगी और नई ऊर्जा का संचार भी करती है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे नियमित रूप से यात्रा वृत्तान्त पढ़ते हैं और यह रुचि उन्हें राहुल सांकृत्यायन जी को पढ़ने से मिली। यात्रा वृत्तान्तों के माध्यम से पाठक घर बैठे देशझविदेश के भूगोल, संस्कृति और जीवनशैली को समझ पाते हैं। डॉ. सिंह ने डॉ. अवधेश मिश्रा को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकार दीर्घा सलाहकार समिति की यात्रा को लिपिबद्ध करने की यह पहल सराहनीय है और यह वृत्तान्त अन्य पर्यटकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में ही इतने मनोरम स्थल हैं कि विदेश जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। नॉर्थ ईस्ट अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और स्वच्छ वातावरण के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए सभी पत्रकारों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की ओर से अरुणाचल प्रदेश जैसे सुंदर राज्य की यात्रा करना और उस अनुभव को लेखन के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना प्रशंसनीय कार्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अपने राज्य मंत्री कार्यकाल के दौरान उन्होंने नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के कई दौरे किए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वहाँ विकास कार्यों को गति मिली। उन्होंने डॉ.अवधेश मिश्रा को इस यात्रा वृत्तान्त के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक पर्यटकों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगी और भविष्य में अन्य लोगों को भी यात्रा वृत्तान्त लेखन के लिए प्रेरित करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाबा गुरु घासीदास जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक बाबा गुरु घासीदास जी की 18 दिसम्बर को जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने अपने दिव्य उपदेशों और आचरण से समाज को सत्य, अहिंसा, समानता और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर किया। उनका अमर संदेश मनखे-मनखे एक समानह्व केवल एक विचार नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ने

वाला ऐसा जीवन-दर्शन है, जो भेदभाव रहित, न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की मजबूत नींव रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने छत्तीसगढ़ की धरती पर सामाजिक एवं आध्यात्मिक जागरण की सुदृढ़ आधारशिला रखी। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों, असमानताओं और अंधविश्वासों के विरुद्ध चेतना जगाते हुए नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की और जनमानस को आत्मसम्मान एवं मानवीय गरिमा का बोध कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा जी का जीवन-दर्शन करुणा, सहिष्णुता, प्रेम, सत्यनिष्ठा और परस्पर सम्मान जैसे मानवीय गुणों के विकास का मार्गदर्शक है। उनके विचार और आदर्श समय की कसौटी पर खरे उतरते हुए आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और वर्तमान समाज के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत बने हुए हैं।

वंदे मातरम की गौरव गाथा का स्मरण हर भारतीय के लिए गर्व का विषय - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।राष्ट्रगीत वंदे मातरम्के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा में आयोजित विशेष चर्चा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वंदेमातरम के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् देशप्रेम का वह जज्बा था जिसकी गूंज से ब्रिटिश हुकूमत तक कांप उठती थी।स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह उद्घोष करोड़ों भारतीयों के हृदय में साहस, त्याग और बलिदान की अग्नि प्रज्वलित करता रहा। उन्होंने कहा कि यह वही स्वर था जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने की शक्ति प्रदान की। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को स्मरण करते हुए कहा कि भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, खुदीराम बोस सहित असंख्य क्रांतिकारी वंदे मातरम्का जयघोष करते हुए मां भारती के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर चढ़ गए। उनका बलिदान आज भी हर भारतीय को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वंदे मातरम् की गौरव गाथा का स्मरण करना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह गीत हमें उस संघर्ष, उस पीड़ा और उस अदम्य साहस की याद दिलाता है, जिसने

भारत को स्वतंत्रता दिलाई। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का आधार स्तंभ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं से नहीं होती, जो मानचित्र पर अंकित होती हैं। किसी राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं और उन मूल्यों से होती है, जो सदियों से उसके आचार-विचार और जीवन पद्धति का हिस्सा रहे हैं। भारत की यह सांस्कृतिक निरंतरता विश्व में अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में वंदे मातरम् पर विशेष चर्चा आयोजित करने का उद्देश्य यह भी है कि हम इतिहास की उन गलतियों को कभी न भूलें, जिन्होंने देश को गहरे घाव दिए, जिनकी पीड़ा आज भी हमारे समाज में कहीं-न-कहीं महसूस की जाती है। इतिहास से सीख लेकर ही हम एक सशक्त और समरस भारत का निर्माण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उन सभी वीर सपूतों को नमन किया, जिन्होंने वंदे मातरम् के भाव को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर भारत माता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम्हमें हमारी विरासत, हमारी सांस्कृतिक चेतना और हजारों वर्षों की सभ्यता से जोड़ता है।

यह उन आदर्शों की सामूहिक अभिव्यक्ति है, जिन्हें हमने युगों-युगों में आत्मसात किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में धरती को माता के रूप में पूजने की भावना रही है, जिसे हम मातृभूमि कहते हैं। वंदे मातरम् इसी भाव का सशक्त और पवित्र स्वरूप है, जो हमें प्रकृति, भूमि और राष्ट्र के प्रति सम्मान और कर्तव्यबोध सिखाता है।

दो वर्ष की निरंतर सेवा, निरंतर विकास की दिशा में एक और पहल: मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉफी टेबल बुक्स का किया विमोचन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शाम नवीन विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में दो साल निरंतर सेवा,निरंतर विकासह्व की भावना को समर्पित छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक सौंदर्य को दशार्ने वाली जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित आठ कॉफी टेबल बुक्स का विमोचन किया गया। इनमें बस्तर दशहरा (हिन्दी), बस्तर दशहरा (अंग्रेजी),पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ (हिन्दी),पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ (अंग्रेजी), छत्तीसगढ़ के अतुल्य जलप्रपात (हिन्दी), छत्तीसगढ़ के अतुल्य जलप्रपात

(अंग्रेजी), बैगा टैटू (हिन्दी) और बैगा टैटू (अंग्रेजी) शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये कॉफी टेबल बुक्स छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति, ऐतिहासिक परंपराओं, आदिवासी कला और प्राकृतिक विरासत को देश-विदेश तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इसे राज्य की पहचान को सशक्त करने वाला सार्थक प्रयास बताया। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, महासमुन्द विधायक योगेश्वर सिन्हा, जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव, जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, पूर्व विधायक खिलावन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को राज्य स्तरीय ओपन फिटनेस रन का आमंत्रण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में विधायक मोतीलाल साहू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बलौदाबाजार जिले के ग्राम खरतोरा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय ओपन फिटनेस रन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया तथा आयोजन की प्रतीकात्मक टी-शर्ट भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि कार्यक्रम के दौरान भारतीय सेना, पुलिस तथा सीमा सुरक्षा बल के जवानों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में सतत रूप से समर्पित जवानों का सम्मान करना पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि फिटनेस, अनुशासन और देशभक्ति जैसे मूल्यों को एक मंच पर जोड़ने वाले ऐसे आयोजन स्वस्थ, सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई और शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऱ्ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपियाऱ से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए इसे भारत के लिए एक ऐतिहासिक, अविस्मरणीय और अत्यंत गौरवशाली क्षण बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, विश्व मंच पर भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरती भूमिका तथा प्रधानमंत्री मोदी नरेंद्र मोदी के सशक्त, दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व को दशार्ता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक कूटनीति, विकास, शांति और सहयोग के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज 140 करोड़ भारतीय अपने राष्ट्र को विश्व समुदाय के बीच और अधिक सम्मान, आदर और प्रभाव के साथ स्थापित होते देख गर्व का अनुभव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है और देश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में विश्वास को और सुदृढ़ करता है।

विराट हिंदू सम्मेलन शांतिपूर्ण व भव्य रूप से हुआ संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चोपन/ सोनभद्र -अपने हिंदू समाज की बंधुता, परस्पर प्रेम, सहयोग तथा स्वाभिमान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन बुधवार को दुर्गा पंडाल, चोपन नगर में शांतिपूर्ण एवं भव्य वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनील जी (सह प्रांत प्रचारक, काशी प्रांत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रनिर्माण में नागरिकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही आत्मसम्मान और स्वाभिमान के

साथ आगे बढ़ सकता है। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे हरि प्रकाश शुक्ल (पूर्व प्राचार्य, रेलवे इंटर कॉलेज, चोपन) ने सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और आपसी सहयोग को समय की आवश्यकता बताया। मुख्य अतिथि निषाद वंशीय बाबा अजय जी महाराज ने अपने उद्बोधन में धर्म, सेवा और संस्कारों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि नीतू तिवारी तथा रामेश्वर गोंड़ ने भी विचार व्यक्त करते हुए समाज को संगठित रहकर सकारात्मक दिशा में कार्य करने का संदेश दिया। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने युवाओं से सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया। अंत में आयोजकों ने उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन सकल हिंदू समाज आयोजन समिति द्वारा किया गया

सुरक्षित सफर के लिए कोहरे में वाहन संचालन को लेकर एडवाइजरी जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सड़क हादसों के दृष्टिगत कोहरे में वाहन संचालन हेतु एडवाईजरी जारी की गई है। जिसके अंतर्गत राज्य के समस्त यात्री बस संचालक, कमर्शियल वाहन चालकों से अपील की गई है कि घने कोहरे में गाड़ी चलाते समय गति कम करें और हेडलाइट चालू रखें।

हेडलाईट को हमेशा लो बीम मोड पर रखें ताकि आप सड़क को ठीक से देख सकें। हाई बीम कोहरे में मददगार नहीं होती, क्योंकि कोहरे में कुछ दिखाई नहीं देता। अगर आपके वाहन में फॉग लैंप हैं तो उन्हें चालू कर दें। कोहरे में न सिर्फ देखना महत्वपूर्ण है, बल्कि दूसरों को दिखाई देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए सावधानियां भी बरती जानी है, गाड़ी चलाते समय हमेशा सतर्क रहें और कोहरे में हमेशा धीरे गाड़ी चलाएं, डिफोस्टर और विंडस्क्रीन वाईपर का उपयोग करें। वाहनों के बीच हमेशा सुरक्षित दूरी बनाए रखें। लेन अनुशासन का पालन करते हुए ओव्हरटेक से बचे और यदि गाड़ी चलाना वास्तव में असंभव हो तो गाड़ी को पूरी तरह से किनारे रोक दें और अपनी इंडिकेटर लाईट चालू रखें।

जिले में चरम पर रिश्वतखोरी का धंधा, दो दिन में दो चढ़े एसीबी के हत्थे

0 नियुक्ति आदेश के नाम पर 40 हजार की रिश्वत लेने वाला सहकारी निरीक्षक धराया 0 लगातार कार्रवाई के बाद भी नहीं ले रहे सबक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सरकारी दफ्तरों में रिश्वतखोरी का धंधा दस्तूर बन चुका है। इस पर लगाम लगाने के लिए शिकायतों के बाद एसीबी की टीम लगातार कार्रवाई कर जिले के रिश्वतखोर कर्मचारी व अधिकारियों को उनके अंजाम तक पहुंचा रही है। फिर भी सरकारी दफ्तरों के कर्मचारी अपनी आदत से बाज नहीं आ रहे है। पिछले दो वर्षों में एसीबी की टीम ने जिले के कई रिश्वतखोरो पर कार्रवाई की है। परंतु इससे किसी ने सबक नहीं लिया बल्कि जब और जहां मौका मिला अपनी जेब गर्म करने में पीछे नहीं हटते है। रिश्वतखोरी का यह खेल जिले के कई दफ्तरों में खुले आम चल रहा है। पिछले दो दिनों में एसीबी की टीम ने जिले में दो कार्रवाई कर जिले के सरकारी दफ्तरों में चल रहे लेनदेन के खुले खेल का पर्दाफाश किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को जहां जिले के जरही स्थित उप तहसील कार्यालय के एक बाबू को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथो धर दबोचा था। वहीं बुधवार की देर शाम टीम द्वारा को नियुक्ति आदेश जारी करने के एवज में रिश्वत लेने वाले सहकारी निरीक्षक को दबोच लिया है। दो दिनों में हुए दो रिश्वतखोरी के मामले में कार्रवाई ने जिले के प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोल दी है, जिसने जिला प्रशासन को गम्भीरता से सोचने पर मजबूर कर दिया है। बुधवार की शाम हुई कार्रवाई के संदर्भ में बताया गया है कि जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम करसी, के युवक शुभम जायसवाल ने एसीबी अंबिकापुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की योजना के तहत गठित मां समलेश्वरी बहुउद्देशीय कृषक उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, टुकुडांड में लेखापाल पद पर संविदा नियुक्ति हेतु उनसे रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत में बताया गया था कि पात्र सूची में नाम आने, दक्षता परीक्षण और साक्षात्कार पूरा करने के बावजूद नियुक्ति आदेश जारी करने के एवज में प्राधिकृत अधिकारी एवं सहकारी निरीक्षक अभिषेक सोनी द्वारा पहले डेढ़ लाख रुपये की मांग इस धमकी के साथ की गई कि अगर रकम नहीं दी गई तो नियुक्ति दूसरे की कर दी जाएगी। जिसके बाद प्रार्थी और आरोपी के बीच सौदेबाजी में 80 हजार रुपये में सौदा तय हो गया। जिसके बाद तत्काल 40 हजार रुपये पहली किस्त के रूप में देने का दबाव बनाया। 17 दिसंबर की देर शाम करीब 8.30 बजे कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, सूरजपुर के कक्ष क्रमांक-01 में जैसे ही प्रार्थी ने रिश्वती रकम आरोपी निरीक्षक को सौंपा, वहां पहले से जाल बिछाए बैठे एसीबी की टीम ने सहकारी निरीक्षक अभिषेक सोनी को रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी ने रकम अपनी जैकेट की जेब में रख ली थी और अगले दिन नियुक्ति आदेश देने का भरोसा दिला रहा था। एसीबी के हत्थे चढ़ा निरीक्षक अपना चेहरा छिपता नजर आया। जिले के कुछ अधिकारी भ्रष्टाचार को अपना अधिकार समझ बैठे हैं और लोगो की मजबूरी का फायदा उठाकर अपनी जेब गर्म कर रहे है। एक ओर सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करती है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि दफ्तरों में खुलेआम वसूली चल रही है। सवाल यह उठता है कि क्या वसूली की पूरी रकम पकड़े गए आरोपी की जेब मे जाती है या फिर विभाग के जिम्मेदार अधिकारी का भी हिस्सा तय रहता है..? अगर विभाग के जिम्मेदारों का हिस्सा तय है तो वे भी बक्शे नहीं जाने चाहिए और अगर वे पाक साफ है तो उन्हें इस प्रकार के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की दिशा में सख्त कदम उठाना चाहिए।

जिपं संसाधन केंद्र में हुआ सरपंचों का 3 दिवसीय आधारभूत उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले के निर्देशन में यहां जिला पंचायत संसाधन केंद्र में निर्वाचित ग्राम पंचायतों के सरपंचों का तीन दिवसीय आधारभूत उन्मुखीकरण प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस पर सत्र का संचालन जिला पंचायत संसाधन केंद्र के प्राचार्य एवं उपसंचालक पंचायत विक्रम बहादुर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरपंचों को पंचायत राज व्यवस्था, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्राम विकास कार्यों की प्रक्रियाएं, वित्तीय प्रबंधन एवं पारदर्शिता, ग्राम पंचायत सरपंचों के दायित्व एवं अधिकार, नेतृत्व की अवधारणा, प्रबंधन तथा सुशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी एवं सहभागी बनाने हेतु संकाय सदस्य निरोज सिंह द्वारा समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विषयों को स्पष्ट किया गया। साथ ही अनुसूचित क्षेत्र में पंचायतों के विस्तार से संबंधित पेसा अधिनियम 1996 एवं अधिनियम 2022 की जानकारी सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से दी गई, जिससे प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सकी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मनोज सिंह एवं आकाश कुमार गुप्ता की सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रही। प्रशिक्षण से सरपंचों को अपने दायित्वों के प्रभावी निर्वहन एवं ग्राम पंचायतों के समग्र विकास में सहयोग मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

धरतीपारा में हुआ नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। भैयाथान विकासखण्ड के ग्राम पंचायत धरतीपारा के कुम्हारपारा में गुरुवार को नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन एवं बच्चों के प्रवेश आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद सदस्य प्रतिनिधि सन्तलाल प्रजापति व सरपंच सविता सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, टीकाकरण एवं मातृ-स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि स्कूल पूर्व बच्चों की देखभाल और शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि उनकी बुनियाद मजबूत हो सके। इसी उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पक्के भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका को नियमित रूप से केंद्र संचालित करने और बच्चों का देखभाल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में

आने वाले बच्चों को सभी सुविधा मिलनी चाहिए। धरतीपारा गांव के ग्रामीणों में नए भवन को लेकर काफी उत्साह है। इस मौके पर राम कुमार सिंह, सचिव छतर साय राजवाड़े, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नीतू सिंह, सहायिका महेश्वरी सिंह, सरबत सिंह, धनेश्वरी सिंह, मोहरनिया, सत्यनारायण सिंह, राम केली चौधरी, भुनेश्वरी प्रजापति, सुखमेन सिंह, रामलाल काशीपूरी, श्याम, अनिल, महेंद्र, रामबक्स प्रजापति, राजेश प्रजापति सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित थे।

निर्वाचित सरपंचों का तीन दिवसीय आधारभूत उन्मुखीकरण प्रशिक्षण संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विजेंद्र सिंह पाटले के निर्देशन में जिला पंचायत संसाधन केंद्र सूरजपुर में निर्वाचित ग्राम पंचायतों के सरपंचों का तीन दिवसीय आधारभूत उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस पर सत्र का संचालन जिला पंचायत संसाधन केंद्र के प्राचार्य एवं उपसंचालक पंचायत श्री विक्रम बहादुर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरपंचों को पंचायत राज व्यवस्था, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्राम विकास कार्यों की प्रक्रियाएं, वित्तीय प्रबंधन एवं पारदर्शिता, ग्राम पंचायत सरपंचों के दायित्व एवं अधिकार, नेतृत्व की अवधारणा, प्रबंधन तथा सुशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी एवं सहभागी बनाने हेतु संकाय सदस्य श्री निरोज सिंह द्वारा समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विषयों को स्पष्ट किया गया। साथ ही अनुसूचित क्षेत्र में पंचायतों के विस्तार से संबंधित पेसा अधिनियम 1996 एवं अधिनियम 2022 की जानकारी सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से दी गई, जिससे प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सकी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री मनोज सिंह एवं श्री आकाश कुमार गुप्ता की सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रही। प्रशिक्षण से सरपंचों को अपने दायित्वों के प्रभावी निर्वहन एवं ग्राम पंचायतों के समग्र विकास में सहयोग मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

बाल विवाह रोकथाम हेतु किया गया परियोजना स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की अवधारणा को साकार करने के लिए शासन द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान 10 मार्च 2024 से संचालित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा जिले स्तर एवं विकासखण्ड स्तर तथा ग्राम स्तर पर निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

कलेक्टर एस. के. जयवर्धन के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग शुभम बंसल के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान के संबंध में विकासखण्ड प्रेमनगर के जनपद सभाकक्ष में समाज प्रमुखों का परियोजना स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत प्रेमनगर शिव कुमार टंडन, थाना प्रभारी विराज विशी, रमेश जायसवाल, बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, ग्राम सचिव एवं सरपंच, जनपद के अधकारीगण, टेंट व मिष्ठान प्रमुख, पुरोहित एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती अंजली तथा समस्त सेक्टर पर्यवेक्षकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह की रोकथाम के लिए संकल्प दिलाया।

बाल संरक्षण अधिकारी मनोज

जायसवाल ने कहा गया कि 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम उम्र के बालकों की शारीरिक एवं मानसिक विकास नहीं होने के कारण उनके जीवन में बाधाएं उत्पन्न होती है और शिक्षा अवरुद्ध होने से उनका पूरा कैरियर प्रभावित हो जाता है। इसलिए शासन द्वारा बाल विवाह की रोकथाम हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 लाया गया है। जिसके तहत जिले के किसी भी ग्राम में बाल विवाह न हो, इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी की आवश्यकता है, ताकि जिले को बाल विवाह मुक्त बनाया जा सके। सामाजिक कुरीतियों के प्रति समाज में जागरुकता लाने की जरूरत है। बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर पहले समाज एवं ग्राम स्तर पर रोका जाए। बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होने पर चाईल्ड हेल्प लाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 तथा 112 में अवश्य सूचना दे सकते हैं ताकि बाल विवाह को समय पर रोका जा सकें। सीईओ शिव कुमार टंडन द्वारा बताया गया कि कम उम्र में शादी होने से बच्चें कुपोषण के शिकार हो जाते है तथा अनेक बार प्रसव के दौरान शिशु मृत्यु एवं मातृ मृत्यु के खतरे बढ़ जाते है। प्रभारी परियोजना अधिकारी प्रेमनगर श्रीमती अंजली द्वारा समाज के पदाधिकारियों से अपील की गई कि अपने समाज में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में बाल विवाह रोकथाम की चर्चा हो एवं बाल विवाह नहीं करने का शपथ दिलाया जाए। जहाँ कही किसी ग्राम या समाज के लोगों को इस विषय पर जानकारी देने की आवश्यकता हो, तो विभाग को अवश्य बताएं ताकि विभाग की टीम भेजकर लोगों को जागरूक करने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों एवं प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। थाना प्रभारी विराट बीसी द्वारा जानकारी दी गई कि 18 वर्ष से कम उम्र में लड़कियों तथा 21 वर्ष से कम उम्र में लड़को के विवाह बाल विवाह है। कम उम्र में बाल विवाह करने व कराने वाले, वैवाहिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने वाले, नाचने-गाने-बजाने वाले, वैवाहिक अनुष्ठानकर्ताओं एवं बैण्ड पार्टियों तथा टेन्ट वालो इत्यादि को 2 वर्ष सजा एवं 1 लाख की जुर्माने से दण्डित किए जाने का प्रावधान बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत प्रावधानित किया गया है। बिना वारंट गिरफ्तारी भी किया जा सकता है। बाल विवाह की रोकथाम हेतु पूर्व में जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा परियोजना अधिकारी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी घोषित किये गये हैं। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर महिला एवं बाल विकास विभाग के सर्व पर्यवेक्षकों तथा ग्राम पंचायत सचिव को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी घोषित किया गया है। अब बाल विवाह को ग्राम स्तर पर ही रोका जाना सुगम होगा। बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों का सहयोग प्राप्त कर किसी भी ग्राम या समाज में बाल विवाह नहीं हो ऐसी संकल्पना से प्रयास किया जाना आवश्यक है। प्रभारी परियोजना अधिकारी द्वारा बाल विवाह रोकथाम कार्यशाला के अंत में उपस्थितो का आभार प्रकट किया गया।

ग्राम पंचायत समौली में गुरु घासीदास जयंती पर सद्भावना शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के विकासखंड भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत समौली में आज गुरु घासीदास जयंती के उपलक्ष्य में सद्भावना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा गुरु घासीदास के छायाचित्र पर विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले ने समस्त जिले वासियों को गुरु घासीदास जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु घासीदास जी ने सामाजिक, आर्थिक विषमता, शोषण और जातिभेद के विरुद्ध जन-जागरण किया। उनके मनखे-मनखे एक समान के संदेश ने यह सिखाया कि हमारे जीवन का शाश्वत सत्य भाईचारा, प्रेम और आपसी सद्भाव है। इस कार्यक्रम के दौरान पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास भैयाथान एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. महावती एवं द्वितीय स्थान संत पण्डो ने प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. रीना सिंह एवं

साथी तथा द्वितीय स्थान कर्मेंद्र पैकरा एवं साथी को मिला। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कक्षा 10वीं तक तथा कक्षा 10वीं से 12वीं तक दो वर्गों में आयोजित की गई। इस दौरान एसडीएम भैयाथान द्वारा उपस्थित जनसमूह को नशा मुक्ति एवं सद्भावना की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, जनपद सदस्य अभय प्रताप सिंह, गणपत पाटिल एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग सहित अन्य वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए गुरु घासीदास जयंती की हार्दिक बधाई दी और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि यह पावन अवसर सत्य, अहिंसा और समानता के महान संत बाबा गुरु घासीदास के जन्म का प्रतीक है, जिनकी शिक्षाएं आज भी हमें मानवता और सामाजिक सद्भाव की राह दिखाती हैं।

कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज के वृद्धजनों का सम्मान किया गया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों एवं नृत्य दलों को पुरस्कार वितरित किए गए। आयोजन के अंत में सभी उपस्थितजनों के लिए सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई, जिसमें कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम भैयाथान सहित जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

भाजपा कार्यालय घेरने निकले कांग्रेसियों ने बैरीकेड तोड़ने दिखाया दम, झूमाझटकी के बीच सौंपा ज्ञापन

नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने के सुनियोजित प्रयास को लेकर की जमकर नारेबाजी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नेशनल हेराल्ड केस में न्यायालय के निर्णय के बाद मोदी सरकार द्वारा ईडी के माध्यम से कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने के सुनियोजित प्रयास के विरुद्ध गुरूवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने भाजपा कार्यालय का घेराव सुनिश्चित किया था। हालांकि राजीव भवन से निकले कांग्रेसजनों को पुलिस की तगड़ी घेराबंदी रहने के कारण कलेक्टोरेट कार्यालय के प्रवेश द्वार पर ही रूकना पड़ा। इस दौरान बैरीकेड को पार करके भाजपा कार्यालय की ओर जाने दम-खम कांग्रेसजनों ने दिखाया। देखने को यह भी मिला कि बैरीकेड के एक तरफ कांग्रेसी तो दूसरी ओर भाजपाई नारेबाजी कर रहे थे। रैली के बाद कांग्रेस ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन देकर प्रधानमंत्री और सरकार से माफी मांगने के साथ ही इस्तीफे की मांग की है।

बता दें कि नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की विशेष अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी के विरुद्ध मनी लॉड्रिंग के मामले में बिना एफआइआर दर्ज किए सुब्रमण्यम स्वामी के परिवाद के आधार पर एक चार्जशीट प्रस्तुत किया था। वास्तव में यह मामला ईडी के अधिकार क्षेत्र के बाहर का था, क्योंकि मामले में किसी भी प्रकार के कैस का कोई लेनदेन ही नहीं था। कांग्रेस पार्टी ने स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका निभाने वाली नेशनल हेराल्ड, नवजीवन एवं कौमी एकता अखबार का प्रकाशन करने वाली एसोसिएट जनरल ऑफ इंडिया कंपनी को आर्थिक सहायता की थी, जिसके फलस्वरुप इन अखबारों का पुनः प्रकाशन आरंभ हो सका था। इन अखबारों को कर्ज से उबारने के लिए यंग इंडिया नाम की कंपनी का गठन कर इन्हें आर्थिक भार से मुक्त किया गया था। यंग इंडिया कंपनी के 6 शेयर धारकों में श्रीमती सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी भी हैं। यंग इंडिया का कोई भी शेयरधारक इस कंपनी के माध्यम से कोई लाभ प्राप्त नहीं कर सकता था। इन प्रावधानों के बावजूद इस मामले में भाजपा ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने के उद्देश्य से 10 सालों तक जांच करवाकर बिना एफआइआर के चार्जशीट दिल्ली के विशेष अदालत में प्रस्तुत किया, जो बिना नींव के ही पूरी इमारत खड़ी कर देने के जैसा था। अदालत ने मामले में ईडी के चार्जशीट को संज्ञान लेने से ही मना कर दिया, जो कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बड़ी जीत थी। साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि मात्र बदनाम करने की नीयत से मोदी सरकार केन्द्रीय एजेंसियों का उपयोग कर रही है। इस न्यायिक जीत के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने पूरे देश में भाजपा कार्यालयों के घेराव का निर्णय लिया, जिसके परिपेक्ष्य में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने भाजपा कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान 20 सूत्रिय कार्यक्रम क्रियान्वयन के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, मधु सिंह, मो. इस्लाम, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनय शर्मा, बलराम यादव, तिलक बेहरा, अमित सिंहदेव, प्रदीप गुप्ता, इंद्रजीत सिंह धंजल, डॉ. लालचंद यादव, शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित जिला कार्यकारणी के सदस्य, कांग्रेस के सभी मोर्चा संगठन के प्रमुख, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

गांधी परिवार को बदनाम करने का तथ्यहीन प्रयास

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि भाजपा और संघ परिवार प्रारंभ से ही षड्यंत्र करके गांधी परिवार को बदनाम करने के प्रयास में लगा रहा है। नेशनल हेराल्ड केस भी इसी की एक कड़ी है। पूर्व में भी संघ परिवार ने बोफोर्स मामले में राजीव गांधी को बदनाम करने का भरपूर प्रयास किया, किंतु इस मामले में कोई तथ्य नहीं निकला। उल्टे राजीव गांधी के द्वारा खरीदी गई बोफोर्स तोप की बदौलत ही बाजपेयी सरकार कारगिल युद्ध जीत पाई। नेशनल हेराल्ड केस के मामले में अदालत का फैसला एक बार फिर साबित करता है कि मोदी सरकार मात्र बदनाम करने के उद्देश्य से ईडी का दुरुपयोग कर रही है।

विपक्ष को समाप्त करने के लिए ईडी का दुरुपयोग

निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद खान ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार, विपक्ष खासकर राहुल गांधी की बातों को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। उनका उद्देश्य मात्र इतना ही है कि गांधी परिवार की आवाज को दबाने से देश में विपक्ष शून्य हो जाएगा। न्यायालय के निर्णय से देश की जनता के सामने स्पष्ट हो गया है कि किस प्रकार मोदी सरकार विपक्ष को समाप्त करने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है।

भारी संख्या में पुलिस बल रहा तैनात

भाजपा कार्यालय घेराव के कार्यक्रम को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में भारी-भरकम तैयारी की गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कनकनी भरी ठंड के बीच वॉटर कैनन वाहन को दोपहर 12 बजे से ही पानी की बौछार के लिए कलेक्टर परिसर में खड़ा करके रखा गया था। इसके साथ ही काफी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ जवान तैनात किए गए थे। इन्हें ले जाने के लिए पुलिस वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई थी। अपरान्ह करीब 3 बजे जैसे ही राजीव भवन से कांग्रेसजनों का हुजूम नारेबाजी करते निकला, पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया।

भाजपा ने घड़ी चौक में सोनिया-राहुल का पुतला दहन किया

भाजपा ने नेशनल हेराल्ड प्रकरण को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा अंबिकापुर स्थित भाजपा कार्यालय का घेराव करने के प्रयास को पूरी तरह से असफल करार दिया है। कहा गया है कि प्रशासन की सजगता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के संयम से कांग्रेस का यह राजनीतिक स्टंट नाकाम हुआ। इसके पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता शहर के घड़ी चौक पहुंचे, जहां कांग्रेस की भ्रष्ट और वंशवादी राजनीति के विरोध में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से जुड़ा एक गंभीर भ्रष्टाचार का प्रकरण है। जब-जब कानून अपना काम करता है, कांग्रेस सड़कों पर उतरकर दबाव बनाने और भ्रम फैलाने का प्रयास करती है। एजेंसियों पर आरोप लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत बन चुकी है। कांग्रेस का भाजपा कार्यालय का घेराव करने का प्रयास यह साबित करता है कि वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन नहीं करती। कानून के सामने जवाब देने के बजाय कांग्रेस अराजकता फैलाकर जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी कानून के शासन में विश्वास करती है। देश की स्वतंत्र जांच एजेंसियां किसी के दबाव में नहीं, बल्कि सबूतों और तथ्यों के आधार पर कार्य करती हैं। कांग्रेस चाहे जितना भी शोर मचाए, भ्रष्टाचार के आरोपों से वह बच नहीं सकती। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनता अब कांग्रेस की विक्टिम कार्ड राजनीति को पहचान चुकी है और आने वाले समय में कांग्रेस को इसका करारा जवाब मिलेगा। भाजपा किसी प्रकार की अराजक राजनीति सफल नहीं होने देगी।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण आकाश में बादलों की हल्की परत से तापमान में आई गिरावट

आगामी 2-3 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना कम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आसमान में दिन में हल्के कोहरे का असर रहने से धूप की तीव्रता में कमी और लगातार पश्चिमी विक्षोभ के कारण ऊपरी आकाश में बादलों की हल्की परत से गुरूवार को तापमान में क्रमशः गिरावट का आभास हुआ। आगामी 2-3 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना कम है। गुरूवार को अधिकतम 24 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहा। न्यूनतम तापमान के लगातार 6 डिग्री सेल्सियस पर रहने के बावजूद वातावरण में कनकनी भरी चुभन का एहसास नहीं हुआ। दिन में न्यूनतम आर्द्रता 35 डिग्री सेल्सियस रहा। लोगों को हल्की हवाओं के बीच धूप खूब भा रहा था।

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार इस समय मुख्यतः सुबह के समय उत्तर-पूर्व तथा दिन में उत्तर या उत्तर-पश्चिम से मन्द गति की हवा आ रही है जिससे ठंडी चुभन का एहसास नहीं हो रहा है। सुबह के समय वायु में आर्द्रता का स्तर 97 प्रतिशत तक पहुंच रहा है। वायु मन्द है और रात में आसमान स्वच्छ होने के कारण लगातार कोहरा और कुहासा के बनने की अनुकूल परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं। प्रातःकाल में क्षैतिज दृश्यता का स्तर नगरीय क्षेत्रों में 500 मीटर तथा मैदानी और खुले इलाकों में 50 से 100 मीटर होना सामने आया है। उन्होंने बताया सूर्य की लम्बवत स्थिति दक्षिणी गोलार्ध में मकर रेखा पर है, भारत पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध और सरगुजा कर्क रेखा वृत्तीय क्षेत्र में है। कर्क रेखा क्षेत्र से सूर्य इस समय वर्ष के दूरतम स्थिति में है। सूर्य की किरणें इस समय दूरतम स्थिति से तिरछी पहुंच रही है। दूर से आने वाली तिरछी किरणों में अधिक तापीय ऊर्जा के ह्रास हो जाता है, साथ ही पृथ्वी के अंडाकार होने और 23.5 डिग्री के अक्षीय झुकाव में सूर्य की स्थिति विपरीत उप केंद्र पर होने के कारण दिन की अवधि में कमी और रात की अवधि में वृद्धि होने से आपतित सौर ऊर्जा में कमी तथा परावर्तित ऊर्जा में वृद्धि से दैनिक न्यूनतम और अधिकतम तापमानों में अंतर अधिक है। 21-22 दिसम्बर को जब सूर्य मकर रेखा पर पूरी तरह लम्बवत होगा तब वहां वर्ष की सबसे छोटी रात और यहां सबसे छोटा दिन होगा। दक्षिणी गोलार्ध में इस समय भीषण ग्रीष्म और उत्तरी गोलार्ध में भीषण शीत ऋतु है।

तकनीकी खामियों के कारण छात्रवृत्ति से वंचित हजारों विद्यार्थी, पोर्टल खोलने की मांग

छात्रवृत्ति पोर्टल की तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाने आयुक्त से पत्र लिखकर आग्रह

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के हजारों विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सुरक्षित करने हेतु 'आज़ाद सेवा संघ छत्तीसगढ़' के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त को ज्ञापन प्रेषित कर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है। संघ ने शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए आवेदन करने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है, किंतु प्रदेश के सुदूर वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों पात्र विद्यार्थी तकनीकी बाधाओं के कारण अब भी आवेदन से वंचित हैं।

रचित मिश्रा ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि आवेदन की अंतिम अवधि के दौरान विभागीय पोर्टल का सर्वर अत्यंत धीमा था, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों को लॉगिन करने और ओटीपी सत्यापन जैसी अनिवार्य प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। इसके अतिरिक्त, कई महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया देर से संपन्न होने के कारण विद्यार्थियों को अपने आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के नवीनीकरण हेतु पर्याप्त समय नहीं मिल सका। इन प्रशासनिक और तकनीकी कारणों से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हजारों छात्र पोर्टल पर अपने दस्तावेज अपलोड करने से चूक गए हैं।

संघ ने इस विषय की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा है कि यह छात्रवृत्ति राशि ही इन विद्यार्थियों की शिक्षा का मुख्य वित्तीय आधार है। इसके अभाव में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कई छात्र अपनी आगामी परीक्षाओं की फीस भरने और निरंतर शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे। छात्र हित को सर्वोपरि रखते हुए आज़ाद सेवा संघ ने विभाग से मांग की है कि पोर्टल को 31 दिसंबर तक पुनः खोला जाए। उन्होंने विश्वास जताया है कि शासन छात्रों की इस जायज समस्या पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए त्वरित निर्णय लेगा, ताकि जरूरतमंद छात्र शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

मद्य निषेध दिवस पर निकली जनजागरूकता रैली, नशामुक्ति की दिलाई शपथ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाबा गुरु घासीदास जयंती एवं रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर समाज कल्याण विभाग, सरगुजा द्वारा गुरुवार को मद्य निषेध दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत नशामुक्ति एवं मद्य निषेध के प्रति जन जागरूकता विकसित करने हेतु घड़ी चौक से गांधी चौक, अंबिकापुर तक रैली निकाली गई। रैली में विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। रैली में महापौर मंजूषा भगत विशेष रूप से शामिल रहीं। गांधी चौक में रैली की समाप्ति के पश्चात आयोजित सभा को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि नशा, नाश का कारण है। इसके सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। यह पारिवारिक कलह का भी एक बड़ा कारण बनता है। उन्होंने कहा कि विकसित समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए नशामुक्ति की दिशा में ठोस कदम उठाना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन एवं रूपरेखा की प्रस्तुति उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, सरगुजा व्ही.के. उइके द्वारा की गई। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के प्रतिनिधियों द्वारा भी संबोधन किया गया और नशा सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी उपस्थित जनसमूह को दी गई। कार्यक्रम के अंत में महापौर ने नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्कूलों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मंगलम पांडे के हाथों युवा मोर्चा की कमान, युवा राजनीति का नया अध्याय

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्षों एवं महामंत्रियों की घोषणा की गई है। बलरामपुर जिले के मंगलम पांडे को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से की गई है। मंगलम पांडे को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने से जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। संगठन से लंबे समय से जुड़े रहे मंगलम पांडे की नियुक्ति को युवा शक्ति को नई ऊर्जा देने वाला निर्णय माना जा रहा है। बता दें कि मंगलम पांडे पूर्व में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। एबीवीपी में एक बार नगर मंत्री, दो बार बलरामपुर जिला एसएफडी प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। इसके पश्चात वे भारतीय जनता युवा मोर्चा में नगर युवा प्रमुख, नगर अध्यक्ष युवा मोर्चा, वर्तमान में मंडल महामंत्री युवा मोर्चा बलरामपुर तथा शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में सांसद प्रतिनिधि के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। संगठन में उनके लंबे अनुभव और सक्रियता को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। मंगलम पांडे की नियुक्ति पर भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में जिले में युवा मोर्चा और अधिक मजबूत होगा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंगलम युवाओं को संगठन से जोड़ने, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन विशेषकर युवाओं तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश नेतृत्व और वरिष्ठ पदाधिकारियों का मानते हैं आशीर्वाद

मंगलम पांडे ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व एवं बलरामपुर जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों के आशीर्वाद और विश्वास से उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसे वे पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे स्वयं को संगठन का सेवक मानकर पार्टी के सिद्धांतों पर चलते हुए युवाओं को साथ लेकर कार्य करेंगे। हरसंभव प्रयास करेंगे कि भाजपा की रीति-नीति और सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंगलम पांडे की नियुक्ति को बलरामपुर जिले में भाजपा संगठन के लिए एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जिससे आने वाले समय में युवा मोर्चा की गतिविधियों में और अधिक सक्रियता व मजबूती आने की उम्मीद है।

चयनित प्रतिभागी अगले चरण की प्रक्रिया में शामिल होंगे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ने अपने नए प्रवक्ताओं और मीडिया पैनलिस्ट के चयन प्रक्रिया को एक प्रतियोगी अभियान बनाकर प्रस्तुत किया है। कुछ दिनों पूर्व सभी ऑनलाइन पंजीकृत आवेदनकर्ता प्रतिभागियों ने सरगुजा संभाग स्तरीय साक्षात्कार और लेखन कौशल मूल्यांकन में राजीव भवन, अंबिकापुर में भाग लिया था।

अभियान के रीजनल कॉर्डिनेटर और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अनुपम फिलिप ने बताया कि अगले चरण की प्रक्रिया में भाग लेने हेतु सभी चयनित प्रतिभागियों को 19 दिसम्बर सुबह 10 बजे कांग्रेस भवन, रायपुर में बुलाया गया है। प्रदेश भर से चयनित प्रतिभागी अगले चरण की प्रक्रिया में शामिल होंगे। इसके लिए चयनित प्रतिभागियों को साक्षात्कार, सामूहिक विमर्श और अन्य लेखन-पठन बिंदुओं की जानकारी उपलब्ध करवा दी गई है। इस अभियान से कांग्रेस ब्लॉक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभा खोज के लिए कार्यरत है। अंतिम चरण के चयनित प्रतिभागियों को कांग्रेस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपने की तैयारी में है।

जिला पंचायत सीईओ पहुंचे पहुंचविहीन पहाड़ी कोरवा ग्राम खिरहिर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने एवं अप्रारंभ आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने के उद्देश्य से जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में वृहद स्तर पर आवास चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। चौपालों के माध्यम से हितग्राहियों से सीधा संवाद कर आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल जनपद पंचायत अंबिकापुर के पहुंचविहीन ग्राम पंचायत नानदमाली अंतर्गत पहाड़ी कोरवा बस्ती खिरहिर पहुंचे। यहां उन्होंने आवास चौपाल का आयोजन कर पीएम जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत आवासों के प्रगति की समीक्षा की। चौपाल के दौरान उन्होंने जनमन आवास हितग्राहियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उन्हें शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया तथा निर्माण में आ रही व्यवहारिक समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। आवास चौपाल में उपस्थित पहाड़ी कोरवा समुदाय के ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या से अवगत कराए जाने पर जिला पंचायत सीईओ ने तत्काल दो नलकूप खनन कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में चल रहे आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। वहीं ग्रामीणों द्वारा बस्ती तक पहुंच मार्ग निर्माण की मांग रखी गई, जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने वन विभाग से त्वरित समन्वय स्थापित कर स्टीमेट तैयार कर शीघ्र मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सीजीएसटी की टीम नवीन इंजीनियरिंग में औचक पहुंची, घंटों चली कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में बुधवार को सेंट्रल जीएसटी विभाग ने बड़ी छापेमार कार्रवाई की। शहर के एमजी रोड स्थित नवीन इंजीनियरिंग संस्थान में रायपुर से पहुंची टीम ने अचानक दबिश दी और 12 घंटे से अधिक समय तक दस्तावेजों, मशीनों और डिजिटल रिकॉर्ड की गहन जांच की। यह कार्रवाई गुरुवार को भी जारी रही, जिससे शहर के व्यापारी वर्ग में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, टीम ने संस्थान में मौजूद बिल, वाउचर, लेखा दस्तावेज, जीएसटी रिटर्न और बैंकिंग लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की। साथ ही कंप्यूटर, हार्ड डिस्क सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर डिजिटल डेटा का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान स्टॉक रजिस्टर, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और मशीनों के उत्पादन से जुड़े तकनीकी दस्तावेजों का भी मिलान किया गया। नवीन इंजीनियरिंग संस्थान सरगुजा संभाग के बड़े और प्रतिष्ठित हैवी मशीन मैन्युफैक्चरिंग प्लांटों में शामिल है। यह संस्थान भारी मशीनों के निर्माण के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों को मशीनों और उपकरणों की आपूर्ति करता है। इसके अलावा कंपनी 'ज्वाय' ब्रांड की इलेक्ट्रिक बाइक का निर्माण भी करती है और कृषि कार्यों में उपयोग होने वाली मशीनों के निर्माण, बिक्री में सक्रिय है।

सूत्रों के अनुसार, जीएसटी विभाग को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि संस्थान में निर्मित मशीनों की वास्तविक उत्पादन लागत को कागजों में कम दिखाया जा रहा है। आरोप है कि इसी तरीके से टैक्स देयता कम कर बड़े पैमाने पर कर चोरी की जा रही थी। इसी आशंका के आधार पर सीजीएसटी की टीम ने छापामार कार्रवाई की। सूत्रों का कहना है यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो टैक्स चोरी की राशि काफी बड़ी हो सकती है। छापेमारी के दौरान जांच टीम ने किसी भी बाहरी व्यक्ति को संस्थान परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। मीडिया द्वारा संपर्क करने पर जीएसटी के अधिकारियों ने इसे नियमित जांच प्रक्रिया बताया और कहा कि फिलहाल किसी भी तरह की अनियमितता या निष्कर्ष पर टिप्पणी जल्दबाजी होगी। अधिकारियों के अनुसार, सभी दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड का विश्लेषण पूरा होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सरपंच के घर में मिला बाघ का दो नाखून और बाल

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। गुरु घासीदास-तैमोर-पिंगला टाइगर रिजर्व के घुई वन परिक्षेत्र में बाघ की करंट लगने से हुई मौत के मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। गहन पूछताछ के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम परसडीहा की सरपंच सिस्का कुजूर के रूप में हुई है। वन विभाग के अनुसार, जांच के दौरान सरपंच के घर पर छापामार कार्रवाई की गई, यहां से बाघ के दो नाखून और बाल बरामद किए गए हैं। इन साक्ष्यों के आधार पर बाघ की मौत के मामले में सरपंच की संलिप्तता पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर सरपंच को 15 दिनों की न्यायिक रिमांड पर भेजते हुए केंद्रीय कारागार अंबिकापुर भेज दिया गया है। वन विभाग का कहना है कि यह कार्रवाई जांच का अहम हिस्सा है और इससे पूरे शिकार नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है। मामले में कई अन्य संदेहियों से पूछताछ अभी भी जारी है। वन विभाग की टीमें लगातार अलग-अलग इलाकों में दबिश देकर आरोपियों की तलाश कर रही हैं। अधिकारियों का दावा है जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां होंगी। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि बाघ जैसे संरक्षित वन्य प्राणी के शिकार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर